दैनिक सनातन वीर

Reg. No. MPHIN/25A3002

राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित

नगर संस्करण | इंदौर, गुरुवार, 12 फरवरी 2026 | वर्ष : 01, अंक : 72, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

राहुल गांधी के तरकश के तीर

नई दिल्ली ● एजेंसी

नई दिल्ली लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को बजट पर बोलते हुए कहा कि सरकार ने इंडिया-US ट्रेड डील के जरिए भारत माता को बेच दिया है। यह पूरी तरह सरेंडर है। अब अमेरिका तय करेगा कि हम किससे तेल खरीदेंगे। हमारा फैसला प्रधानमंत्री नहीं करेंगे। राहुल के आरोपों के जवाब में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- कांग्रेसी कहते हैं कि मोदी ने सरेंडर कर दिया। मैं बताती हूं कि भारत को किसने बेचा। इसे कांग्रेस ने बेचा। बाली में जाकर सौदा करके आए थे। ट्रेड फेलिसिटेशन पर साइन करके आ गए थे। भारत के फायदे के लिए उसमें कुछ नहीं थी। उन्होंने कहा कि किसानों के हक से समझौता करने वाली कांग्रेस है। मोदी ने 2014 में WTO में जाकर इसे सुधारा। ये गरीबों को राशन दे नहीं पा रहे थे और ये मोदी जी पर आरोप लगा रहे हैं।

सीतारमण बोलीं- बंगाल में पेट्रोल दिल्ली से 10 ज्यादा महंगा- वित्त मंत्री ने TMC सांसद अभिषेक बनर्जी के GST को लेकर आरोपों पर कहा- अभिषेक ने कहा कि जन्म से लेकर मरने तक लोग GST दे रहे हैं। वह ये बातें कहां से ला रहे हैं। दूध के ऊपर कब जीएसटी लगा, पढ़ाई पर कब लगा?

पीछे बैठे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि वहां कट मनी लगती है, इसे सीतारमण ने भी दोहराया। सीतारमण ने कहा- आप बंगाल में स्टेट GST हटा सकते हैं, पर ऐसा क्यों नहीं कर रहे?

भारत माता को बेच दिया | एपस्टीन फाइल्स में हरदीप पुरी और अनिल अंबानी का नाम' | अमेरिका से डील ट्रंप से डर

संसद में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने भाषण के दौरान मोदी सरकार पर कई तीखे हमले बोले। अपने भाषण में राहुल गांधी ने इस दौरान एपस्टीन फाइल्स का भी जिक्र किया, जिसके बाद लोकसभा में भारी हंगामा हो गया। राहुल गांधी ने कहा कि, 'एक व्यापारी अनिल अंबानी हैं, मैं पूछना चाहता हूं कि वह जेल में क्यों नहीं हैं? वजह यह है कि उनका नाम एपस्टीन फाइल्स में है। मैं हरदीप पुरी से भी पूछना चाहूंगा कि उन्हें एपस्टीन से किसने मिलवाया। मुझे पता है कि उन्हें किसने मिलवाया, और हरदीप पुरी जानते हैं कि उन्हें किसने मिलवाया।' वहीं, संसद में भाषण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि, 'मेरे पास डाटा है और मैंने कहा कि मैं प्रमाणित कर दूंगा, एप्सटीन में डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस फाइल्स है जिसमें हरदीप पुरी का नाम है, अनिल अंबानी का नाम है, अडानी का केस चल रहा है, प्रधानमंत्री पर सीधे दबाव है यह सब जानते हैं। बिना दबाव के कोई प्रधानमंत्री यह नहीं कर सकता। जो हुआ है, जो किसानों के साथ, डाटा के साथ, रक्षा, ऊर्जा सुरक्षा के साथ हुआ है कोई प्रधानमंत्री सामान्य परिस्थिति में नहीं कर सकता। वह तभी करेगा जब किसी ने जकड़ रखा हो।'

सरकार लाएगी राहुल पर विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव

आप के सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में कहा कि जैसे भारतीय मतदाताओं को किसी नेता को चुनने का अधिकार है, वैसे ही उन्हें उसे हटाने का अधिकार भी होना चाहिए। अगर मतदाता किसी नेता को चुन सकते हैं, तो उन्हें उसे हटाने का भी अधिकार होना चाहिए। रीकॉल का अधिकार एक ऐसा तंत्र है, जो मतदाताओं को यह सुविधा देता है कि अगर उनका निर्वाचित प्रतिनिधि अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करता, तो वे उसे कार्यकाल पूरा होने से पहले हटाने का निर्णय ले सकें अगर हम राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और न्यायाधीशों को महाभियोग के जरिए हटाने का अधिकार रखते हैं, और निर्वाचित सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकते हैं, तो मतदाताओं को यह अधिकार क्यों नहीं होना चाहिए कि अगर उनका सांसद या विधायक काम नहीं कर रहा है, तो उसे हटाया जा सके।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को बजट बहस पर लोकसभा को संबोधित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार ने श्रम प्रधान क्षेत्रों को बजट में प्राथमिकता दी गई है। इसके तहत बायोफार्मा सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया गया है। स्टार्टअप्स के विस्तार के लिए उन्हें बड़े डोमेन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताते हुए वित्त मंत्री ने यह भी साफ किया है कि मेगा टेक्सटाइल पार्कों के विकास के लिए केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर काम करने को पूरी तरह तैयार है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर कहा, 'भारत का डाटा बहुत ही सुदृढ़ कानूनी स्वरूप में है, डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम के तहते है। भारत के जितने संवेदनशील क्षेत्र हैं सबके अपने विनियम हैं और इस तरह के आरोप लगाने से पहले चीजों को प्रमाणित करना चाहिए।

मुर्शिदाबाद हिंसा मामला : सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए को दिया बड़ा निर्देश

'यूएपीए पर फैसला करेगा कलकत्ता हाईकोर्ट'

नई दिल्ली ● एजेंसी

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद हिंसा मामले में जांच की संवेदनशीलता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से कहा कि वह यूएपीए कानून के तहत अपनी कार्रवाई की रिपोर्ट कोलकाता हाईकोर्ट में दाखिल करे। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को भी निर्देश दिया गया कि अगर उन्हें एनआईए जांच पर कोई आपत्ति है, तो वे हाईकोर्ट में अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। इस दौरान कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट केंद्र के निर्णय की वैधता भी देख सकती है।

कोर्ट ने कहा कि यह जांचना कलकत्ता हाईकोर्ट का काम है कि इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की तरफ से गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून यानी यूएपीए लगाना सही था या नहीं। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। राज्य सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें केंद्र सरकार को एनआईए जांच सौंपने की छूट दी गई थी। इसके बाद गृह मंत्रालय ने 28 जनवरी को एनआईए को जांच सौंप दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की याचिका खारिज करते हुए एनआईए को निर्देश दिया कि वह अपनी स्टेटस रिपोर्ट (जांच की स्थिति) सीलबंद लिफाफे में कलकत्ता हाईकोर्ट में जमा करे।

अब राष्ट्र गान 'जन गण मन' से पहले राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' बजेगा

नई दिल्ली ● एजेंसी

राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर केंद्र सरकार ने नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। ऐसे में अब राष्ट्र गान 'जन गण मन' से पहले राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' बजेगा। गृह मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार सरकार ने आधिकारिक मौकों पर 'वंदे मातरम्' के छह अंतरा वाले संस्करण को बजाना या गायन अनिवार्य किया है। जिसकी कुल अवधि 3. 10 मिनट होगी। राष्ट्रगीत के सभी छह छंद बजाए जाएंगे, जिनमें वे चार छंद भी शामिल हैं, जिन्हें कांग्रेस ने 1937 में हटा दिया था।

नए दिशानिर्देशों के अनुसार यह नियम राष्ट्रीय ध्वज फहराने, कार्यक्रमों में राष्ट्रपति के आगमन, उनके भाषणों या राष्ट्र के नाम संबोधन से पहले और बाद में अनिवार्य तौर पर लागू किया गया है। इसी के साथ सरकारी कार्यक्रमों, सरकारी स्कूलों के आयोजन या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम' बजाया या गाया जाएगा।

नई गाइडलाइन के मुताबिक वंदे मातरम का पूरा आधिकारिक संस्करण, जिसमें छह लाइनें हैं और जो लगभग 3 मिनट 10 सेकंड का है, बड़े सरकारी मौकों पर गाया या बजाया जाएगा। निर्देश का एक खास पहलू यह है कि जब भी किसी कार्यक्रम में वंदे मातरम और राष्ट्रगान दोनों हों, तो राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रगीत गाया जाना चाहिए।

पाक रक्षा मंत्री बोले- अमेरिका ने हमारा इस्तेमाल किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को संसद में कहा कि अमेरिका ने अपने फायदे के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया और काम निकलने के बाद उसे टॉयलेट पेपर की तरह फेंक दिया। पाकिस्तान रक्षा मंत्री ने कहा, हमने अफगानिस्तान में दो जंग लड़ीं। इसमें इस्लाम और मजहब के नाम पर हिस्सा लिया, लेकिन असल में दो सैन्य तानाशाहों (जिया-उल-हक और परवेज मुशर्रफ) ने वैश्विक ताकत का समर्थन पाने के लिए ऐसा किया। उन्होंने 1979 में सोवियत संघ के हस्तक्षेप का जिक्र करते हुए कहा कि यह कदम

अफगान सरकार के न्योते पर उठाया गया था, लेकिन अमेरिका ने इसे सीधा हमला बताकर अपनी तरह से नरेटिव तैयार किया। आसिफ ने पाकिस्तान की अमेरिका के साथ 1999 के बाद हुई नई रणनीतिक साझेदारी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद अमेरिका के साथ खड़े होने की कीमत पाकिस्तान आज भी चुका रहा है। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान ने इतिहास से सबक नहीं सीखा और अपने छोटे फायदे के लिए कभी अमेरिका, कभी रूस और कभी ब्रिटेन की ओर झुकता रहा।

राजपाल यादव मामले पर सामने आया पत्नी का बड़ा बयान, हफ्ते भर बाद मदद को आगे आए सलमान

मुंबई ● एजेंसी

चेक बाउंस मामले में जेल गए राजपाल यादव की मदद के लिए अब पूरा बॉलीवुड आगे आया है। एक दिन पहले सोनू सूद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर राजपाल यादव की मदद की बात कही थी। उन्होंने बाकी इंडस्ट्री से भी ऐसे मुश्किल वक्त में राजपाल की मदद को आगे आने की अपील की थी। इसके बाद से ही सेलेब्स लगातार एक्टर की मदद को आगे आ रहे हैं। अब राजपाल यादव के मैनेजर ने जानकारी दी है कि सोनू सूद के अलावा सलमान खान और अजय देवगन सरीखे स्टार भी अभिनेता की मदद के लिए आगे आए हैं। इसी मामले को लेकर राजपाल यादव की पत्नी राधा यादव का बयान भी सामने आया है।

स्क्रीन के साथ बातचीत में राजपाल यादव के मैनेजर गोल्डी ने बताया कि राजपाल यादव की मदद के लिए कई लोग आगे आए हैं। सोनू सूद, सलमान खान और अजय देवगन जैसे अभिनेताओं ने अपना समर्थन दिया है। अभी मेरी डेविड धवन से बात हुई थी, उन्होंने भी मदद की बात कही है। इसके अलावा रतन नैन, वरुण धवन समेत कई लोग इस बार उनकी मदद के लिए आगे आ रहे हैं। इसके लिए राजपाल ने दिल से सभी की सराहना की है।

राजपाल की पत्नी बोलीं- सभी मददगार हैं- वहीं पीटीआई से बातचीत में राजपाल यादव की पत्नी राधा यादव ने कहा, 'सब लोग उनके साथ खड़े हैं। पूरी इंडस्ट्री ने उनका साथ दिया है। मदद के लिए आगे आए हर व्यक्ति को बहुत-बहुत धन्यवाद।'

नवाजुद्दीन सिद्दीकी पहले कर चुके थे 10 लाख की मदद- इंडिया टुडे की खबर के अनुसार नवाजुद्दीन सिद्दीकी से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया कि वह पहले भी राजपाल यादव की मदद कर चुके हैं। नवाज के करीबी का कहना है, 'यह पहली बार नहीं है जब नवाजुद्दीन ने राजपाल यादव की मदद की है। इससे पहले भी उन्होंने 10 लाख रुपये की फाइनेंशियल मदद की थी। नवाजुद्दीन ने हमेशा ऐसे कामों को लाइमलाइट से दूर रखना पसंद किया है। वह इसके बारे में पब्लिकली बात नहीं करते हैं, चुपचाप मदद करते हैं।'

क्या जेल जाने से पहले किसी ने की मदद?- बातचीत के दौरान जब गोल्डी से पूछा गया कि क्या राजपाल ने तिहाड़ में आत्मसमर्पण करने से पहले मदद मांगी थी? तो गोल्डी ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा। हालांकि उन्होंने कहा कि अच्छी बात यह है कि उनकी स्थिति बिगड़ने के बाद इंडस्ट्री ने चट्टान की तरह उनका साथ दिया है। इसकी सराहना की जानी चाहिए। सभी ने प्रतिबद्धताएं जताई हैं, लेकिन ऐसे सौदे रातोंरात नहीं होते।

कल होनी है जमानत याचिका पर सुनवाई- इस दौरान एक्टर के मैनेजर गोल्डी ने राजपाल की जल्द रिहाई की उम्मीद भी जताई। उन्होंने कहा कि परिवार को मानसिक रूप से मजबूत रहना होगा। राजपाल भाई खुद बहुत मजबूत हैं और यह मजबूती परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है। घर में कई समारोह होने वाले हैं, फरवरी के अंत में पारिवारिक कार्यक्रम भी निर्धारित हैं। उम्मीद है कि वे कल तक रिहा हो जाएंगे। कल उनकी जमानत की सुनवाई होनी है और हमें उम्मीद है कि उन्हें जमानत मिल जाएगी और वे रिहा हो जाएंगे। जमानत याचिका पहले ही दाखिल हो चुकी है। कल सुनवाई के बाद हम और अधिक जानकारी साझा कर पाएंगे।

अनिका की मदद को आगे आए स्टूडेंट्स व लोग

महापौर ने दिया सहायता राशि का चेक, एक दिन में जुटाए 28 लाख

इंदौर ● संवाददाता

गंभीर एवं दुर्लभ बीमारी SMA टाइप-2 से जूझ रही बेबी अनिका के इलाज के लिए चलाया जा रहे अभियान बच्ची को बच्चे बचाएंगे इंदौर शहर में एक अनूठी मिसाल बन गया है। इस अभियान को शहरवासियों और विशेष रूप से स्टूडेंट्स से अभूतपूर्व सहयोग मिला। केवल एक दिन में 28 लाख रुपए जुटाकर इंदौर ने मानवीय संवेदनशीलता की अद्भुत शक्ति का परिचय दिया।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस अभियान को शहर में व्यापक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने न केवल सार्वजनिक मंचों पर इस पहल का समर्थन किया, बल्कि स्वयं कई प्रमुख स्कूलों, कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों में जाकर स्टूडेंट्स से संवाद किया और उन्हें अभियान से जोड़ा।

प्रदेश और देशभर से लोग आगे आ रहे

बुधवार को महापौर ने सहायता राशि का चेक सौंपते हुए कहा इंदौर की हमारी बेटी अनिका एक दुर्लभ बीमारी से ग्रसित है। उसके इलाज के लिए पूरे प्रदेश और देशभर से लोग आगे आ रहे हैं। हम सभी का दायित्व है कि अधिक से अधिक सहयोग कर समय पर उसका उपचार सुनिश्चित करें।

स्टूडेंट्स ने किया योगदान

अभियान में सहोदय ग्रुप ने भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ग्रुप के चेयरमैन मोहित यादव ने शहर के सभी शैक्षणिक संस्थानों में समन्वय और छात्र सहभागिता सुनिश्चित की, जिससे अभियान को बड़ी गति मिली, स्टूडेंट्स की संवेदनशीलता का अद्भुत दृश्य महापौर एवं समिति द्वारा 3 फरवरी को किए गए विशेष आव्हान के बाद शहर के हजारों स्टूडेंट्स ने स्वयं आगे बढ़कर योगदान दिया। केवल एक दिन में करीब 25 लाख रुपए की राशि संग्रहित हुई यह इंदौर के युवाओं की सामाजिक चेतना और संवेदनशीलता का उज्ज्वल उदाहरण बन गया, दान बॉक्सों की प्रक्रिया 4 और 5 फरवरी को नेहरू स्टेडियम में रखे दान बॉक्सों को प्रशासन और अभियान प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोला गया। राशि की गनती के बाद पूरी धनराशि को सीधे AIIMS से जुड़े बैंक खाते में जमा किया गया। अब तक 5 करोड़ 13 लाख 52 हजार रुपए जुटाए जा चुके है।

जनता का सहयोग बना रहे

अनिका के माता-पिता ने कहा सबसे बड़ा सहयोग हमें महापौर पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व में मिला है। हम सहोदय ग्रुप, स्टूडेंट्स, अभिभावकों और इंदौर के हर सहयोगी के आभारी हैं। हमारी विनती है कि सहयोग आगे भी बना रहे, ताकि हमारी बेटी का उपचार जल्द संभव हो सके।

मेयर के पाइंट पर पहुंची थी निगम की रिमूवल गैंग

तराजू उठाकर हमला करने की कोशिश, पुलिस को दिया आवेदन

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के धार रोड पर नगर निगम के मेयर के पाइंट पर सड़कों पर लगने वाली सब्जी की दुकान लगाने वाले व्यापारियों को हटाने के लिए नगर निगम की रिमूवल गैंग बुधवार रात पहुंची थी। यहां पर सड़कों पर ठेला लगाने वालों ने नगर निगम की गैंग से विवाद किया और मारने के लिए तराजू उठा लिया। इस मामले में नगर निगम की टीम छत्रीपुरा थाने पहुंची। यहां हमला करने वाले को लेकर लिखित में आवेदन दिया है।

छत्रीपुरा थाने पर नगर की गैंग बुधवार रात पहुंची थी। यहां पर निगम की टीम से जितेन्द्र सोलंकी तरफ से जाकिर पुत्र शाकिर निवासी धार रोड़ पर हमला करने का मामले में शिकायत की गई है। जितेन्द्र ने अपने आवेदन में बताया कि रिमूवल अफसरों के कहने पर वह अतिक्रमण की कारवाई को लेकर पहुंची थे। इस दौरान जाकिर ने टीम के साथ धक्कामुक्की की और मारने के लिए तराजू उठा लिया। इस दौरान नगर निगम की कारवाई को रोकने का भी प्रयास किया। इस मामले में अफसरों ने आवेदन लिया है। वहीं पूरे मामले की जांच की जा रही है।

मेयर के पिता के अस्पताल के आसपास जाम

मेयर पुष्पमित्र भार्गव के पिता जीएनटी मार्ग पर खुद का अस्पताल संचालित करते हैं। यहां लगने वाले सब्जी के ठेला के चलते सड़क के दोनों तरफ ट्रेफिक होने से जाम की स्थिति बनती है। सूत्रों के मुताबिक मेयर की तरफ से ही अफसरों को वहां से ठेले और फुटपाथ की दुकाने हटाने के लिए पाइंट दिया गया था।

चैन्नई एयरपोर्ट पर स्टोर खोलने के नाम पर ठगी

66 लाख से ज्यादा रुपए लिए, मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस से जुड़े हैं डायरेक्टर

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर क्राइम ब्रांच में एक इंदौर से एक स्टार्टअप चलाने वाली कंपनी से जुड़ी महिला की शिकायत पर विदवेदा पीआरजी एयरो एंड पोर्टस वायेज प्रायवेट लिमिटेड के डायरेक्टर के खिलाफ लाखों रुपए की धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कराई है।

कंपनी ने चैन्नई एयरपोर्ट पर स्टोर खोलने के एवज में लाखों रुपए लेकर धोखाधड़ी की। विदवेदा कंपनी के डायरेक्टर इंडिया की मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस से भी जुड़े हैं। उनकी एक कंपनी तकनीकी आपूर्ति भी देती है। क्राइम ब्रांच में मेघा गर्ग निवासी स्कीम नंबर 54 ने विदवेदा पीआरजी एयरो एंड पोर्टस वायेज प्रायवेट लिमिटेड के डायरेक्टर वचिनाथन थंगवेल के खिलाफ 66 लाख से अधिक की धोखाधड़ी की एफआईआर कराई है। मेघा गर्ग ने अपनी लिखित शिकायत में बताया कि खिओनी डीआईपीपी और एमएसएमइ के साथ स्टार्टअप है। जिसमें चैन्नई हवाई अड्डे पर रिटेल स्टोर खोलने के लिए जुलाई 2023 में एक अनुबंध के तहत काम किया। जिसमें पहले 45 लाख के लगभग की अनुबंध राशि ली गई। इसके बाद अन्य टुकड़ों में रुपए लिए गए। जिसमें टर्मिनल 1 और टर्मिनल 2 पर काम करने की प्लानिंग की गई। पहले टर्मिनल पर काम करने की बात हुई थी, लेकिन कंपनी की तरफ से टर्मिनल 2 पर काम शुरू कराया गया। जिसमें आर्थिक घाटा होने के साथ शर्तो का भी उल्ल्घंन हुआ। जिसमें टर्मिनल 2 का काम भी बंद करना पड़ा। बाद में इस मामले में मेघा ने कंपनी से बात करने के लिए काफी चक्कर लगाए, लेकिन वचिनाथन थंगवेल ओर कंपनी की तरफ से रिस्पास नही दिया गया। इसके साथ ही 30 से 35 बार ईमेल करने के साथ ही कई बार कॉल किए गए, लेकिन जबाव नहीं मिला। मामले में मेघा ने क्राइम ब्रांच में शिकायत की। जिसमें जांच के बाद मामले में एफआईआर रजिस्टर्ड की गई।

इंदौर में पुलिस चौकी के सामने युवती ने खाया जहर

27 लाख में 2 माह पहले किया था प्लाट का सौदा; युवक ने रुपए लेकर नहीं दिया कब्जा

इंदौर। भागीरथपुरा चौकी के सामने एक युवती ने बुधवार को जहर खा लिया। युवती तनीषा जगताप ने एक दिन पहले दो प्लाट के रुपए हडपने को लेकर भागीरथपुरा में लिखित शिकायत की थी। तनीषा को तुंरत पुलिस ने एमवाय उपचार के लिए भेजा है। यहां उसकी हालत स्थिर है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक तनीषा ने मनीष धार गुडे के खिलाफ दो प्लाट के 27 लाख रुपए लेने को लेकर शिकायत की थी। उसने बताया था कि करीब दो माह पहले राधे के बगीचे में दो प्लाट का सौदा नकदी रुपए लेकर मनीष से किया था। जिसमें मनीष ने कब्जा और दस्तावेज दोनों नहीं दिए। हालांकि पुलिस ने बुधवार को मनीष को थाने बयान के लिए बुलाया था। इससे पहले तनीषा गुस्सा होकर बाहर आ गई ओर फिर जान देने की कोशिश की।

साइलेंट अटैक से युवक की मौत:अचानक गश खाकर गिरा, पुलिस ने कराया पीएम

इंदौर। इंदौर बाणगंगा इलाके में एक युवक की साइलेंट अटैक से मौत हो गई। मंगलवार को वह काम के दौरान अचानक गश खाकर गिर गए थे। बुधवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक मृतक दीपक पुत्र हरीसिंह ठाकुर निवासी भागीरथ पुरा है। दीपक को मंगलवार को घर के यहां साइलैट अटैक आ गया। उसे उपचार के लिए परिजन बीमा अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन डॉक्टरो ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दीपक निजी कंपनी में काम करता था। पुलिस ने बुधवार को पोस्टमार्टम कराया है।

युवक ने खुद को मारे चाकू

बाणगंगा इलाके में रहने वाले कृष्णा पुत्र महेश निवासी गोविंद कॉलोनी ने मंगलवार रात खुद को चाकू मार लिए थे। उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए एमवायएच लेकर आए। यहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस के मुताबिक कृष्णा ने नशे में होने के चलते यह घटना की है। अभी उसके बयान नहीं हो पाए है।

खेल के दौरान विवाद में दोस्त को धक्का दिया

नाबालिग की कुएं में गिरने से मौत; इंदौर में दो दोस्त गैर इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर में खजराना पुलिस ने एक नाबालिग की मौत के मामले में उसके दो नाबालिग दोस्तों के खिलाफ धमकाने, मारपीट और गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। जांच में सामने आया कि खेल के दौरान विवाद होने पर दोस्तों ने उसे धक्का दिया, जिससे वह कुएं में गिर गया। पूछताछ में आरोपियों ने पूरी घटना कबूल की। टीआई मनोज सेंधव के मुताबिक, पटेल नगर निवासी समीर राठौर का शव 6 फरवरी को पुष्प विहार कॉलोनी स्थित एक कुएं में मिला था। परिजनों ने बताया था कि वह दोस्तों के साथ खेलने गया था। शुरुआती पूछताछ में दोनों नाबालिग साथ होने से इनकार करते रहे, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर सच सामने आ गया। आरोपियों ने बताया कि घटना वाले दिन कहासुनी के दौरान उन्होंने समीर को अपशब्द कहे और धक्का दे दिया, जिससे वह गहरे कुएं में गिर गया।

इंदौर में मोबाइल की दुकान में तोड़फोड़ : पुराने मामले में सुलह को बनाया दबाव, 5 माह पहले तलवार लेकर पहुंचा था आरोपी

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के अन्नपूर्णा क्षेत्र में मंगलवार को बोहरा समाज के एक व्यापारी की मोबाइल दुकान में घुसकर बदमाशों ने जमकर तोड़फोड़ कर दी। आरोप है कि इलाके में रंगदारी करने वाला यह बदमाश पहले भी व्यापारी को धमका चुका है और अब पुराने मामले में समझौता करने के लिए दबाव बना रहा था। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

अन्नपूर्णा थाना पुलिस ने बताया कि गांधी नगर निवासी जुहूर काठियावाड़ की शिकायत पर टिंकू पुत्र किशोर बाबा परोचे और उसके साथी पंकज पुत्र हरिसिंह ठाकुर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन दोनों ने दुकान में घुसकर तोड़फोड़ की, कैमरे भी तोड़ दिए और समझौता नहीं करने पर धमकाया भी।

दुकान में लगे कैमरे भी तोड़ दिए

पीड़ित जुहूर काठियावाड़ ने बताया कि वे अन्नपूर्णा रोड पर "सैफी मोबाइल" नाम से दुकान चलाते हैं।

दोपहर आरोपी दुकान पर आए और विवाद शुरू कर दिया। थोड़ी ही देर में आरोपियों ने तोड़फोड़ शुरू कर दी। उन्होंने न सिर्फ दुकान का सामान तोड़ा, बल्कि कैमरे भी तोड़ दिए।

पहले भी दे चुका है धमकी

पीड़ित के अनुसार आरोपी टिंकू ने सितंबर 2025 में भी रंगदारी को लेकर उन्हें तलवार दिखाकर धमकाया था। आरोपी इलाके में रंगदारी करता है और उसका आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है। पुलिस के मुताबिक टिंकू के पिता किशोर बाबा भी अन्नपूर्णा क्षेत्र में अपराधी रहे हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है और जल्द गिरफ्तारी की बात कही जा रही है।

इंजीनियर को जेसीबी से कुचलने की कोशिश

ऐन वक्त पर पीछे हटा तो बची जान, इंदौर में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की साइट पर विवाद

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में इंजीनियर पर जेसीबी मशीन चढ़ाने की कोशिश की गई। इंजीनियर ने ऐन वक्त पर पीछे हटकर अपनी जान बचाई। घटना मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की एरोड्रम साइट पर मंगलवार की है। इसका वीडियो बुधवार को सामने आया है। पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

पहले टक्कर मारने, फिर पंजे से कुचलने की कोशिश वीडियो में दिख रहा है कि मेट्रो साइट पर जेसीबी ड्राइवर और इंजीनियर के बीच किसी बात को लेकर बहस हो रही है। इसी दौरान ड्राइवर जेसीबी आगे बढ़ाता है और इसका पंजा इंजीनियर की ओर मोड़ देता है। इंजीनियर बचने के लिए नीचे गिर जाता है। ड्राइवर फिर पंजा

गिराकर इंजीनियर को उसके नीचे दबाने की कोशिश करता है। इंजीनियर पीछे हटकर अपनी जान बचाता है। इसके बाद जेसीबी के नीचे से निकलकर भागता है। ड्राइवर एक बार फिर जेसीबी उसकी तरफ बढ़ाता है। लेकिन मौके पर मौजूद लोगों के चिल्लाने पर जेसीबी को रोक लेता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों के बीच साइट पर काम को लेकर विवाद हुआ था। थाने में शिकायत नहीं की, जांच कर रही पुलिस इंजीनियर ने जेसीबी ड्राइवर के खिलाफ पुलिस में शिकायत नहीं की है। लेकिन वीडियो सामने आने के बाद पुलिस सक्रिय हो गई है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने कहा- वायरल वीडियो के आधार पर मामले में संज्ञान लिया गया है। पीड़ित इंजीनियर की भी तलाश की जा रही है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

SGSITS कॉलेज के पास दो तस्कर गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने घेराबंदी कर पकड़ा, 10.46 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त; 1.10 लाख रुपए कीमत

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर क्राइम ब्रांच ने मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मंगलवार को SGSITS कॉलेज के पास से दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 10.46 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 लाख 10 हजार रुपए बताई जा रही है।

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसी क्रम में मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो युवक इलाके में ब्राउन शुगर की सप्लाई करने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर मंगलवार को क्राइम ब्रांच की टीम SGSITS कॉलेज के पास सार्वजनिक शौचालय के सामने पहुंची। यहां दो युवक संदिग्ध अवस्था में नजर आए। पुलिस टीम को देखकर दोनों भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से 10.46 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई।

प्रारंभिक पूछताछ में उन्होंने अपना नाम सौरभ सोनकर निवासी पालदा और गौरव मालवीय निवासी पालदा बताया। केस दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि सौरभ हम्माली करता है और 11वीं तक पढ़ा हुआ है, वहीं गौरव गाड़ी चलाता है और ग्रेजुएट है। दोनों ज्यादा पैसा कमाने की लालच में ब्राउन शुगर की सप्लाई कर रहे थे। उनसे पूछताछ कर जानकारी निकाली जा रही है कि वे ब्राउन शुगर कहां से लाए और किन-किन लोगों को सप्लाई करते थे।

अवैध नशे के कारोबार को लेकर चाकूबाजी

16 साल के नाबालिग को चाकू मारा, पुलिस ने दोनों पक्षों पर की कार्रवाई

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के द्वारकापुरी क्षेत्र में सोमवार को हुए विवाद का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। घटना में सात लड़कों ने मिलकर एक नाबालिग पर हमला कर दिया। बाद में घायल नाबालिग ने आरोपियों से चाकू छीनकर एक अन्य लड़के पर वार किया। पुलिस ने दोनों पक्षों के लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बताया जा रहा है कि दोनों पक्ष के लड़के अवैध नशे के कारोबार से जुड़े हैं। इसी को लेकर विवाद होने की बात सामने आ रही है। द्वारकापुरी पुलिस के अनुसार, दो पक्षों के नाबालिगों के बीच विवाद हुआ था। पहले साहिल के साथ आए उसके नाबालिग साथियों ने सामने वाले पक्ष के एक नाबालिग को चाकू मार दिया। इसके बाद घायल नाबालिग ने आरोपियों से चाकू

छीनकर उनके एक अन्य नाबालिग साथी विक्की पर हमला कर दिया। हमले के बाद एक पक्ष थाने पहुंचा, जबकि दूसरा पक्ष इलाज के लिए अस्पताल गया। पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर कार्रवाई की है।

दोनों नाबालिगों पर पहले से मामले दर्ज

पुलिस के मुताबिक, दोनों पक्षों के नाबालिगों पर द्वारकापुरी थाने में मारपीट और धमकी के करीब पांच मामले दर्ज हैं। वे अक्सर इलाके में घूमते रहते हैं। पहले भी पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है। घटना के समय नाबालिग साहिल बाइक सर्विस कराने इलाके में गया था, तभी विवाद हो गया। फिलहाल दोनों नाबालिग जमानत पर बाहर हैं।

अवैध नशे के कारोबार से जुड़े होने की आशंका

स्थानीय जानकारी के अनुसार, दोनों गुट अवैध नशे के कारोबार से जुड़े हुए हैं। क्षेत्र के रहवासी उनसे परेशान बताए जा रहे हैं। मामले की जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विजयनगर में चाकूबाजी, युवक की मौत

दोस्त के विवाद में पहुंचा था युवक, अस्पताल में इलाज के दौरान तोड़ा दम

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के विजयनगर क्षेत्र में मंगलवार रात चाकूबाजी की घटना हुई, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक घटना आर्बिट मॉल के पास की है। मंगलवार देर रात गोलू चंद्रवंशी, निवासी भूसामंडी, पर तीन से चार बदमाशों ने नशे की हालत में चाकू से हमला कर दिया। गंभीर हालत में उसे मेंदाता अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि गोलू पीयू-4 इलाके में काम करता था। पुलिस ने इस मामले में अमोघ रेहदास (विराट नगर मूसाखेड़ी), अखिलेश वासरे (सेठी नगर), वरुण श्रीवास (मयूर नगर) और आकाश कदम (सेठी नगर) को गिरफ्तार किया है।

दोस्त को मिलने बुलाया था

गोलू के परिवार के मुताबिक, उसके एक दोस्त ने उसे मिलने के लिए बुलाया था। उस दोस्त का किसी से विवाद हो गया था। जब गोलू मौके पर पहुंचा, तो दो लड़कों ने अपने अन्य साथियों को बुला लिया और उस पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में गोलू के पेट में गंभीर चोट आई।

गोलू के परिवार में उसके माता-पिता और एक भाई हैं। वह पेशे से बाउंसर था। हाल ही में उसने पीयू-4 इलाके में एक कैफे का काम भी शुरू किया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

5 मार्च से शुरु होंगी यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं:फोर्थ ईयर से छात्रों का मोहभंग!

इंदौर। यूनिवर्सिटी की थर्ड और फोर्थ ईयर की परीक्षाओं का काउंट डाउन शुरु हो गया है। 5 मार्च से शुरु होने जा रहे इस महाकुंभ में करीब 46 हजार स्टूडेंट्स बैठेंगे। नई शिक्षा नीति के बीच चौंकाने वाला ट्रेंड सामने आया है, फोर्थ ईयर (ऑनर्स) में छात्रों की संख्या पिछले साल के मुकाबले सीधे 50% गिर गई है। पिछले साल फोर्थ ईयर में 3000 छात्र थे, जो इस साल घटकर मात्र 1500 रह गए हैं। यूनिवर्सिटी ने परीक्षा के सफल संचालन के लिए छात्रों की संख्या के आधार पर केंद्रों का वितरण किया है।

उज्जैन में बनेगा आयुर्वेदिक का एम्स : सीएम डॉ. मोहन यादव

हरियाखेड़ी जलप्रदाय योजना का भूमिपूजन किया, डोर-टू-डोर वेस्ट कलेक्शन वाहन को दिखाई हरी झंडी

उज्जैन ● संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को उज्जैन के हरियाखेड़ी में 1133.67 करोड़ की लागत से आकार लेने वाली जल आवर्धन परियोजना के लिए वेद मंत्रोच्चार के साथ भूमिपूजन किया। सिंहस्थ 2028 को दृष्टिगत इस परियोजना पर काम किया जा रहा है। यहीं से उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करने वाली 16 गाड़ियां और पांच अन्य वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीएम ने मंच से उज्जैन में आयुर्वेदिक के एम्स स्थापित करने की घोषणा की ।

सीएम हरियाखेडी में भूमि पूजन करने के बाद कालिदास अकादमी पहुचे . यहाँ पर उनका भव्य स्वागत किया गया . इस दौरान पूर्व मंत्री पारस जैन,महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष कलावती यादव, शिवेंद्र तिवारी, जगदीश पांचाल,उमेश सेंगर,राजेन्द्र भारती, निगम झोन अध्यक्ष के साथ कई पार्षद मोजूद रहे।

सीएम ने मंच से उज्जैन में आयुर्वेदिक के एम्स स्थापित करने की घोषणा की , उन्होंने कहा कि जब धन्वन्तरी का संबध उज्जैन है तो एम्स यही पर बनेगा । उन्होंने कहा कि हरियाखेडी योजना के बाद उज्जैन में जल प्रदाय की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा । 17 नई टंकिया भी बनेगी । नागझिरी और निनोरा रेडीमेड गारमेंट में रोजगार प्रबन्धन कर दिए,जो बहने काम करेगी उन्हें 5 हजार रुपए सरकार मिलाकर देगी,कालिदास अकेडमी में शेड बनाया जाएगा । मार्च माह में साईंस कालेज में 1200 लोगो के बेठे की क्षमता वाला गीता भवन का लोकार्पण होगा। उज्जैन से पीथमपुर तक बनने वाला उज्जैन इंदौर रोड का भी भूमि पूजन जल्द होगा।

उज्जैन में होगा नया एम्स

मुख्यमंत्री डॉ यादव की मंशानुरूप हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना अंतर्गत निर्बाध शुद्ध जल की आपूर्ति के लिए नवीन पाइपलाइन भी डाली जाएगी। साथ ही पुरानी की जगह नवीन पाइप लाइन भी बिछाई जाएगी। हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना के अंतर्गत सेलारखेड़ी, गंभीर, उंडासा एवं साहिबखेड़ी को मुख्य जल स्रोत के रूप में उपयोग किया जाएगा, जिससे सिंहस्थ के दौरान और उसके बाद भी निर्बाध जल आपूर्ति बनी रहे। इसे 24 माह में चरणबद्ध रूप से पूर्ण किया जाएगा।

हरियाखेड़ी एवं गंभीर पर 2 नए इंटेक वेल बनेंगे

हरियाखेड़ी एवं गंभीर पर 2 नए इंटेक वेल का निर्माण किया जा रहा है। अंबोदिया (70 एमएलडी), गौघाट (80 एमएलडी) एवं हरियाखेड़ी (100 एमएलडी) में नए जल शोधन संयंत्रों का निर्माण होगा। जिनकी क्षमता 250 एमएलडी होगी। उक्त जल शोधन यंत्री से मौजूदा 7 जल शोधन संयंत्रों (कुल 151 एमएलडी क्षमता) को मजबूत एवं उन्नत किया जाएगा। 17 नए ओवरहेड टैंक बनाए जाएंगे परियोजना अंतर्गत 600 से 3000 किलो लीटर क्षमता के 17 नए ओवरहेड टैंक बनाए जाएंगे। योजना अंतर्गत 708 किमी पाइप लाइन रहेगी। जिसमें लगभग 534 किलोमीटर लंबा नया वितरण नेटवर्क विकसित किया जाएगा और पुरानी एसीपी पाइपलाइन भी बदली जाएगी। 49,087 नए घरेलू कनेक्शन दिए जाएंगे शुद्ध पानी के लिए 150 से 800 मिमी व्यास की क्लियर वॉटर पाइपलाइन (लगभग 136 किलोमीटर) बिछाई जाएगी। पानी के लिए 900 से 1300 मिमी व्यास की रॉ वॉटर पाइपलाइन (लगभग 39.75 किलोमीटर) का निर्माण किया जाएगा।

योजना में 20 गांव भी शामिल

सिंहस्थ 2028 के दौरान उज्जैन शहर की प्रभावी जनसंख्या लगभग 9.65 लाख तथा मेला क्षेत्र की अस्थायी जनसंख्या लगभग 21.83 लाख अनुमानित है। दिव्य राजसी स्नान के दिनों में एक ही दिन में लगभग 228 लाख श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। उज्जैन के निकट बसे लगभग 20 ग्रामों को भी योजना में शामिल किया गया है। ये ग्राम नगरीय विस्तार क्षेत्र में स्थित होने के कारण भविष्य में जल मांग में महत्वपूर्ण योगदान करेंगे। उक्त परियोजना सिंहस्थ 2028 के बाद उज्जैन शहर की वर्ष 2055 तक की जल आपूर्ति जरूरतों को पूर्ण करने में सक्षम होगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पौधारोपण भी किया।

दशहरा मैदान पर वन मेले का शुभारंभ

शाम 4 बजे दशहरा मैदान पर वन विभाग एवं मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा आयोजित श्री महाकाल वन मेला उज्जैन 2026 का शुभारंभ किया जाएगा। मेला 11 से 16 फरवरी तक चलेगा। हरियाखेड़ी जलप्रदाय योजना के तहत देवास रोड स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट और सिलारखेड़ी तालाब की क्षमता 6 से 51 एमसीएम की जाएगी। योजना से शहर को प्रतिदिन 100 एमएलडी शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

बड़वानी में सीसी रोड निर्माण का विरोध, पुरानी कलेक्ट्रेट के सामने हुआ हंगामा, व्यापारियों ने जताई आपत्ति

बड़वानी ● संवाददाता

बड़वानी जिला मुख्यालय स्थित पुराने कलेक्टर कार्यालय के सामने प्रस्तावित सीसी रोड निर्माण को लेकर मंगलवार को जमकर हंगामा हुआ। सड़क निर्माण को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि निक्कू चौहान और स्थानीय व्यापारियों के बीच तीखी बहस हुई।

नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि निक्कू चौहान ने मौके पर पहुंचकर बताया कि यह सड़क मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना के तहत बनाई जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना ऊपर से स्वीकृत होती है और निर्माण का प्रकार तय होता है, जिसमें बदलाव संभव नहीं है। इस सड़क निर्माण की कुल लागत लगभग 23 लाख रुपए है। चौहान ने आगे बताया कि निर्माण कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। सारी खुदाई एक साथ होगी, लेकिन एक साइड का ट्रैफिक चालू रखा जाएगा और दूसरी ओर सड़क का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने व्यापारियों से चर्चा के बाद ढाई महीने में सड़क पूरी करने का आश्वासन दिया। वहीं, स्थानीय व्यापारी महेश यादव ने निर्माण कार्य का विरोध करते हुए कहा कि उन्हें सीमेंट कंक्रीट (सीसी) रोड के बजाय डामरीकरण (बीटी) सड़क चाहिए। उन्होंने अधिकारियों के इस तर्क को खारिज किया कि डामर नहीं, सीसी रोड ही बनेगा। व्यापारियों ने आशंका जताई कि काम छह महीने से पहले पूरा नहीं होगा, जबकि नपा ढाई महीने का आश्वासन दे रही है। व्यापारियों का कहना है कि लंबे समय तक निर्माण कार्य चलने से उनका व्यापार प्रभावित होगा। हालांकि, नगर पालिका का दावा है कि कार्य तय समय सीमा में पूरा कर लिया जाएगा और आवागमन सुचारू रखा जाएगा। कुछ देर तक मौके पर माहौल गरमाया रहा, लेकिन बाद में समझाइश के बाद स्थिति सामान्य हो गई।

286 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त

ट्रक के गुप्त बंकर में छिपाकर सिलिगुड़ी भेजी जा रही थी

नरसिंहपुर ● संवाददाता

नरसिंहपुर जिले की करेली थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार रात एनएच-44 पर एक आयशर ट्रक से 286 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गई। जब्त शराब और वाहन की कुल कीमत लगभग 50 लाख रुपये आंकी गई है।

मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना ने बताया कि देर रात करीब 1:30 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि राष्ट्रीय राजमार्ग से भारी मात्रा में शराब तस्करी की जा रही है। करेली थाना प्रभारी और एसडीओपी मनोज के नेतृत्व में दो टीमें गठित कर कार्रवाई की गई। सूचना के आधार पर पुलिस ने बैहर तिराहा के पास त्रिपाल से ढंके संदिग्ध ट्रक को रोका। प्रारंभिक जांच में ट्रक मिठाई के डिब्बों से भरा दिखा, लेकिन गहन तलाशी में डिब्बों के बीच लोहे की चादरों से बने गुप्त बंकर में 286 पेटी 'इम्पीरियल ब्लू' अंग्रेजी शराब छिपाई हुई मिली। कुल शराब की मात्रा लगभग 2600 बल्क लीटर थी।

शराब और ट्रक की कीमत करीब 50 लाख रुपये

पुलिस के अनुसार शराब की अनुमानित बाजार

कीमत करीब 35 लाख रुपये और ट्रक की कीमत लगभग 15 लाख रुपये है। इस प्रकार कुल 50 लाख रुपये का माल जब्त किया गया।

दो आरोपी गिरफ्तार, सिलिगुड़ी की ओर भेजने की कोशिश

पुलिस ने सतीश और मनोज यादव को हिरासत में लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शराब नरसिंहपुर से सिलिगुड़ी भेजी जा रही थी। पुलिस इस दावे की जांच कर रही जांच के दौरान ट्रक की नंबर प्लेट और चेसिस नंबर में भिन्नता पाई गई। पुलिस अब वाहन के असली नंबर और मालिक का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है।

नई कलेक्ट्रेट के पास डीजल की कालाबाजारी, युवक गिरफ्तार, दतिया में पुलिस ने 105 लीटर डीजल जब्त की

दतिया। दतिया में पुलिस ने अवैध रुप से डीजल की कालाबाजारी का भंडाफोड़ किया है। बड़ौनी थाना पुलिस ने न्यू कलेक्ट्रेट के पास से एक युवक को 105 लीटर डीजल के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी बिना किसी वैध लाइसेंस के डीजल का परिवहन कर बेच रहा था। टीआई दिनेश राजपूत ने बताया कि पुलिस को देर रात सूचना मिली थी। इसमें बताया गया था कि ग्राम रिछारी निवासी रंजीत यादव ट्रकों से सस्ते दामों पर डीजल खरीदकर ब्लैक में बेचता है। वह मोटरसाइकिल से डीजल लेकर न्यू कलेक्ट्रेट के पास से गुजरने वाला था। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कलेक्ट्रेट के पास एक युवक मोटरसाइकिल पर प्लास्टिक की केन लेकर आता दिखा। पुलिस ने राहगीरों की मौजूदगी में उसे रोका और केनों की जांच की, जिसमें डीजल भरा पाया गया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम रंजीत पिता हेतम यादव (26) निवासी रिछारी बताया। आरोपी डीजल रखने और परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। जांच में सामने आया कि आरोपी अवैध रुप से डीजल खरीदकर बेच रहा था। अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ होने के बावजूद सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था। पुलिस ने मौके से तीन प्लास्टिक की केनों में कुल 105 लीटर डीजल, एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (क्रमांक एमपी 32 एमएफ 6345) और एक लोहे की कमानी जब्त की। प्रत्येक केन से सैंपल लेकर उन्हें सीलबंद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

रेल मंत्री ने बुरहानपुर-खंडवा रेल सुविधा बढ़ाने का आश्वासन दिया

सांसद पाटिल की वंदे भारत स्टॉपेज की मांग रखी; कार्गो हब बनाने पर जोर

बुरहानपुर ● संवाददाता

खंडवा लोकसभा सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने बुधवार को लोकसभा में बुरहानपुर और खंडवा रेलवे स्टेशनों पर वंदे भारत ट्रेन के स्टॉपेज तथा उन्नत रेल लॉजिस्टिक्स सुविधा विकसित करने की मांग की। उन्होंने क्षेत्रीय विकास को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद पाटील की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन दिया। उन्होंने सांसद के क्षेत्रीय विकास के प्रयासों की सराहना की और कहा कि सरकार उनकी उठाई गई मांगों पर सार्थक निर्णय लेगी। सांसद पाटील ने बताया कि खंडवा-बुरहानपुर

रेल मार्ग उत्तर और दक्षिण भारत को जोड़ता है। खंडवा में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग और बुरहानपुर के ऐतिहासिक व यूनेस्को धरोहर स्थलों पर बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं, जिसके लिए वंदे भारत स्टॉपेज आवश्यक है। उन्होंने बुरहानपुर में विशेष 'कार्गो हब' या उन्नत रेल लॉजिस्टिक्स सुविधा की आवश्यकता पर भी जोर दिया। सांसद के अनुसार, बुरहानपुर में केले, सोयाबीन, प्याज सहित अन्य कृषि उत्पादों का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है, जिन्हें बड़े बाजारों तक पहुंचाने के लिए यह सुविधा महत्वपूर्ण है। सांसद पाटील ने कहा कि इस सुविधा से कृषि और उद्योग क्षेत्र को गति मिलेगी। उन्होंने समझाया कि रेलवे कार्गो हब एक विशिष्ट टर्मिनल होता है जो विभिन्न स्थानों से माल को एकत्रित, सॉर्ट और वितरित करता है। यह हब-एंड-स्पोक मॉडल पर काम करता है, जिससे रसद दक्षता बढ़ती है और रेल परिवहन सड़क की तुलना में सस्ता होता है। यह औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा देगा और क्षेत्रीय विकास को तेज रफ्तार देगा।

ग्वालियर में चलती ट्रेन में चढ़ते समय फिसला यात्री : प्लेटफॉर्म और डिब्बे के बीच फंसा; प्रधान आरक्षक ने दौड़कर बचाई जान

ग्वालियर। ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा हादसा टल गया। रेलवे पुलिस के प्रधान आरक्षक धीर सिंह ने अपनी सूझबूझ और बहादुरी से एक यात्री की जान बचाई। घटना प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर गाड़ी संख्या 20243 पातालकोट एक्सप्रेस में हुई। जानकारी के अनुसार, यात्री चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रेन के साथ घिसटने लगा। यात्री प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच फंसने से बाल-बाल बचा। मौके पर ड्यूटी पर तैनात प्रधान आरक्षक धीर सिंह ने बिना समय गंवाए तुरंत दौड़ लगाई। उन्होंने घिसट रहे यात्री को पकड़कर सुरक्षित प्लेटफॉर्म की ओर खींच लिया। आरक्षक की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद यात्री को प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया। उसे मामूली चोटें आई हैं और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

घटना स्टेशन में लगे सीसीटीवी में कैद हुई

यह पूरी घटना रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो सामने आने के बाद रेलवे पुलिस की तत्परता और आरक्षक धीर सिंह की बहादुरी की सराहना की जा रही है। स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने भी आरक्षक के साहस की प्रशंसा की। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे कभी भी चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें। ऐसा करना जानलेवा हो सकता है।

पटरी किनारे मिला गाय का शव

खंडवा। खंडवा शहर के नवकार नगर के आगे स्मार्ट सिटी क्षेत्र में बुधवार दोपहर रेलवे पटरी किनारे एक गाय का शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव को देखकर हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने गाय को मारकर जलाने की आशंका जताई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो मामला अलग ही निकला। पुलिस का कहना है कि शव 8-10 दिन पुराना है और डीकंपोज होने के कारण काला पड़ गया है। घटना सिद्ध विहार कॉलोनी के पास रेलवे के निर्माणाधीन अंडरब्रिज के नजदीक की है।

युवक ने फांसी लगाई, परिजन अस्थियां लेकर दमोह कलेक्ट्रेट पहुंचे बोले- 6 महीने पहले नर्स ने पीटा था, टीआई ने कार्रवाई नहीं की

दमोह ● संवाददाता

दमोह जिले के रनेह निवासी महेंद्र लोधी की आत्महत्या के बाद बुधवार को उनके परिजन ने सैकड़ों ग्रामीणों के साथ कलेक्ट्रेट का घेराव किया। परिजन महेंद्र की अस्थियां लेकर पैदल कलेक्ट्रेट पहुंचे और न्याय की मांग की। भीड़ और हंगामे की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया है।

क्या है पूरा विवाद?

यह मामला पिछले साल जून महीने का है, जब महेंद्र लोधी और रनेह स्वास्थ्य केंद्र की नर्स नीलम यादव के बीच विवाद हुआ था। महेंद्र का आरोप था कि नर्स ने उनकी गर्भवती पत्नी का इलाज नहीं किया और विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया था। विवाद के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों पर मामला दर्ज किया था।

प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई

घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जांच कराई और नर्स नीलम यादव को रनेह से हटाकर दूसरी जगह भेज दिया। साथ ही उनकी एक साल की वेतन वृद्धि (इंक्रीमेंट) भी रोक दी गई थी। फिलहाल यह पूरा मामला कोर्ट में चल रहा है।

आत्महत्या और परिजनों का विरोध

इसी बीच, 5 फरवरी को महेंद्र सिंह लोधी ने पन्ना जिले के सिमरिया में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन और सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि महेंद्र अपने ऊपर दर्ज केस और प्रशासन की अधूरी कार्रवाई से परेशान थे, जिसके कारण उन्होंने यह कदम उठाया। अंतिम संस्कार के बाद अब परिजन अस्थियां लेकर विरोध जताने दमोह पहुंचे हैं।

थाना प्रभारी पर कार्रवाई की मांग

मुआवजे की मांग की गई है, लेकिन मुआवजा कितना मांगा गया इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। कोई एक करोड़ की बात भी कह रहा है। कलेक्टर से मिलने पांच लोग जा रहे हैं। रनेह थाना प्रभारी चंदन सिंह पर आरोप लगाया है कि उन्होंने ठीक से कार्रवाई नहीं की। लोग टीआई पर एक्शन लेने की मांग कर रहे हैं।

मुरैना में बारात में 4 लाख की लूट

मुरैना। मुरैना शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के श्रीराम पैलेस मैरिज गार्डन के पास मंगलवार रात बारात चढ़ाई के दौरान लूट की वारदात हो गई। बाइक सवार दो बदमाश दूल्हे के भाई रामसेवक राठौर के हाथ से रुपयों से भरा बैग छीनकर भाग गए। बैग में 4 लाख 2 हजार 200 रुपए कैश और एक सोने का मंगलसूत्र रखा था। घटना रात करीब 11:30 बजे की है। फरियादी रामसेवक राठौर ने बताया कि मंगलवार को उनके छोटे भाई की शादी थी। बारात में नाच-गाना चल रहा था और वे दूल्हे के पीछे चल रहे थे।

महिला सशक्तिकरण और रोजगार को बढ़ावा देने वालो का है केंद्र का बजट : महापौर यादव

लाड़ली बहना और मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनाओं ने महिलाओं को दिया संबल : जिलाध्यक्ष ब्राह्मणे

पीएम मोदी ने वित्तमंत्री के हाथों में सौंप रखी है देश के बजट की बागडोर : विधायक पाटीदार

विकसित भारत के बजट पर भाजपा महिला मोर्चा के महिला संवाद में जुटी सैंकड़ों मातृशक्ति

खरगोन ● रविन्द्र परमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने जो बजट पेश किया है, इसमें न केवल देश के सभी वर्गो के विकास, मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखा गया है, बल्कि इसमें महिला, बेटीयों को आत्मनिर्भर बनाने, उन्हें सशक्त करने का भी प्रावधान है। यह बजट दिखाता है कि कैसे एक महिला घर के बजट के साथ ही देश के बजट को भी बना सकती है।

यह बात खंडवा महापौर अमृता यादव ने भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के तत्वाधान में आनंद नगर स्थित कपास मंडी में विकसित भारत बजट- 2026-27 के महते महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। सम्मेलन में खरगोन- बड़वानी लोकसभा क्षेत्र की सैंकड़ों महिलाओं ने भागीदारी की। सम्मेलन को विधायक बालकृष्ण पाटीदार, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे, बड़वानी जिलाध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कोषाध्यक्ष जया शर्मा, बड़वानी नगर पालिका अध्यक्ष अश्विनी पटेल, बजट लोकसभा प्रभारी पूर्वा व्यास ने भी संबोधित किया। संचालन पूजा वोरे ने किया, आभार नगर महिला मोर्चा अध्यक्ष शीतल राठौर ने माना। महापौर श्रीमती यादव ने आगे कहा कि बजट नारी शक्ति को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने का सशक्त अवसर प्रदान करता है। इससे महिलाओं के लिए नए रोजगार के अवसर, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान के नए द्वार खुलेंगे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को हर क्षेत्र में मिला नेतृत्व

जिलाध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राह्मणे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लखपति दीदी, सुकन्या योजना, उज्जवला योजना सहित आजीविका मिशन सहित प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लाडली बहना योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह सहित अनेक ऐसी योजनाएं है जो महिलाओं, बालिकाओं के आत्मसम्मान को बढ़ाती है। पीएम मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सहित हर क्षेत्र में नेतृत्व मिला है।

लाडली बहना से महिलाओं को मिला आर्थिक संबल

विधायक पाटीदार ने केंद्र और प्रदेश सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रुप से मजबूत किया है। महिलाओं को जहां लाड़ली बहना योजना से प्रतिमाह 1500 रुपए की राशि मिल रही है जो आगे 3 हजार रुपए होगी, इससे महिलाओं को काफी संबल मिला है। वे घर के बजट सहित अन्य धार्मिक कार्य्रकमों में भी अपनी सहभागिता निभाते हुए नेतृत्व करने लगी है। सरकार ने बेटियों के विवाह के साथ उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य की भी चिंता की है। सरकार परिवार के मुखिया की तरह काम कर रही है। इन योजनाओं से परिवार चिंता मुक्त हो रहे है।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कांतिलाल कर्मा, व पूर्वी मंडल मीडिया प्रभारी रवि परमार ने जानकारी में बताया कि इस सम्मेलन में राजपुर नगर पालिका अध्यक्ष शिखा अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रभा राठौर, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शालिनी रतोरिया, भाजपा जिला मंत्री अमिता मंत्री, खंडवा पार्षद रोशनी जी, बड़गांव पूर्व सरपंच आशा मोरे मंचासीन रहे। कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री प्रकाश पाटीदार, हरे सिंह चावड़ा विवेक भटोरे, कार्यालय मंत्री विजय पटेल, नगर मंडल अध्यक्ष पूर्वी नगर मंडल अध्यक्ष अभिलाष अत्रे, पूर्वी मंडल महामंत्री दीपक पाटीदार, राजेन्द्र मंडलोई, आकाश गुप्ता, अमित मौर्य , जयशिव सेन, विनय पटेल, भानु यादव एवं दर्शना मोयदे, मिनाक्षी मुछाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता-पदाधिकारी एवं मातृशक्ति मौजूद रही। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं में खासा उत्साह नजर आया। जिलाध्यक्ष श्रीमती ब्राह्मणे ने कहा कि यह सरकार की रीति-नितियों, बुनियादी सुविधाएं देने की सोच का परिणाम है कि इतनी बड़ी संख्या में मातृशक्ति इस कार्यक्रम में शामिल हुई।

महाशिवरात्रि रविवार को, शिवमय होगा शहर

विभिन्न शिव मंदिरों में होंगे अनुष्ठान, प्रातःकाल से खुलेंगे मंदिरों के पट

श्री सिद्धनाथ महादेव जी पहनेंगे साफा, बनेंगे दूल्हा, होगी महाआरती

खरगोन ● संवाददाता

रविवार को महाशिवरात्रि के पुनीत पावन पर्व पर पूरा शहर शिवमय नजर आएगा। शहर में स्थित विभिन्न शिव मंदिरों में यह पर्व बड़ी धुमधाम से मनाया जाएगा। प्रातःकाल से शुरू होगा पूजा-अर्चना व अभिषेक का दौर, जो देर शाम तक चलेगा। इस दौरान विभिन्न शिव मंदिरों में विभिन्न अनुष्ठान भी होंगे। इसी कड़ी में भावसार मोहल्ला स्थित श्री सिद्धनाथ महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व पर विभिन्न अनुष्ठान होंगे। मंदिर समिति अध्यक्ष मनोज भावसार ने बताया कि श्री सिध्दनाथ महादेव मंदिर के पट प्रातः 3 बजे से श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएंगे। प्रातः 4 बजे रुद्राक्ष मित्र मंडल भगवान श्री सिद्धनाथ महादेव जी का रूद्राभिषेक कर श्रृंगार आरती करेगा। वही दोपहर 12 बजे मल्लीवाल परिवार द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मंदिर के शिखरों पर नवीन ध्वजारोहण किया जाएगा। मल्लीवाल परिवार के वरिष्ठ गुलाबचंद भावसार करीब 378 वर्षों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन करेंगे। इसके पश्चात रुद्राक्ष मित्र मंडल द्वारा महाराणा प्रताप चैराहा (बावड़ी बस स्टैंड) पर श्री सिद्धनाथ द्वार पर नवीन ध्वजा लगाई जाएगी। मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र भावसार लाला ने बताया कि रात्रि में भगवान श्री सिद्धनाथ महादेव जी को साफा पहनाकर दूल्हा बनाया जाएगा और रात्रि 8.30 बजे महाआरती की जाएगी। महाआरती के बाद 51 किलों साबूदाने की खिचड़ी का वितरण किया जाएगा। मंदिर पुजारी हरिश गोस्वामी ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी रात्रि में आकर्षक श्रृंगार कर भगवान श्री सिद्धनाथ महादेव जी के विशेष शयन दर्शन कराएं जाएंगे, जो केवल वर्ष में एक बार महाशिवरात्रि पर ही कराएं जाते है। समिति कोषाध्यक्ष गौरव भावसार अप्पू ने सभी श्रृद्धालुओं से आव्हान किया है कि अधिक से अधिक संख्या में मंदिर में पधारकर भगवान श्री सिध्दनाथ महादेव जी के दर्शन लाभ लेवें।

इन मंदिरों में भी धुमधाम से मनाया जाएगा पर्व

शहर के विभिन्न शिव मंदिरों में भी महाशिवरात्रि का पर्व बड़ी धुमधाम से मनाया जाएगा। इनमें सराफा बाजार स्थित श्री नीलकंठ मंदिर, कसरावद रोड़ स्थित श्री मेलडेरेश्वर महादेव मंदिर, औरंगपुरा स्थित श्री बडघाटेश्वर मंदिर, बाकी माता पथ स्थित श्री महाबलेश्वर मंदिर, कुंदा नदी तट स्थित काला देवल व महाकाल मंदिर, ज्योति नगर स्थित श्री ज्योतेश्वर महादेव मंदिर, जैतापुर स्थित श्री ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर, मंडी परिसर स्थित श्री आशुषोत महादेव मंदिर, गांधी नगर स्थित श्री महामृत्युंजन मंदिर, पीडब्ल्यूडी स्थित शिव मंदिर, डीआरपी लाईन स्थित शिव मंदिर, ब्राह्मणपुरी स्थित श्री ज्येश्वर महादेव मंदिर, कृष्णकुंज कॉलोनी स्थित कृष्णेश्वर महादेव मंदिर सहित अन्य शिवालयों में श्रद्धालुओं द्वारा भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन व अभिषेक किया जाएगा और रात्रि में श्रृंगार कर महाआरती की जाएगी।

आधुनिक दौर में पत्रकारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है विश्वसनीयता : खारीवाल

एमिटी मीडिया फेस्ट-2026 का भव्य आगाज़

एमिटी में मीडिया-एआई समन्वय और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर गहन मंथन

ग्वालियर ● संवाददाता

आधुनिक दौर में पत्रकारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता है। सूचना की रफ्तार भले तेज हो गई हो, लेकिन भरोसे की नींव कमजोर नहीं पड़नी चाहिए। यह बात तीन दिवसीय एमिटी मीडिया फेस्ट 2026 के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रवीण खारीवाल, अध्यक्ष, प्रेस क्लब मध्यप्रदेश ने कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज साथ-साथ आगे बढ़ रहे हैं, किंतु तकनीक के इस युग में मानवीय संवेदनशीलता, तथ्यात्मकता और नैतिकता ही पत्रकारिता की वास्तविक शक्ति है। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदार, निष्पक्ष और जनहितकारी पत्रकारिता का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय प्रो-चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वी.के. शर्मा (एवीएसएम), सेवानिवृत्त एवं कुलगुरु प्रो डॉ आर एस तोमर ने किया।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में प्रो-चांसलर ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जिसे आने वाली पीढ़ी को जिम्मेदारी, साहस और नैतिक मूल्यों के साथ संभालना है। उन्होंने विद्यार्थियों को पत्रकारिता में सत्यनिष्ठा और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा दी। अपने संबोधन में कुलगुरू प्रो. (डॉ.) आर. एस. तोमर ने कहा कि एमिटी मीडिया फेस्ट आने वाले मीडिया विद्यार्थियों और प्रोफेशनल्स के लिए एक स्टेपिंग स्टोन सिद्ध होगा। यह मंच विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव और उद्योग जगत से सीधा संवाद स्थापित करने में मदद करेगा। उद्घाटन सत्र के पश्चात विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सृजनात्मक गतिविधियों का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर प्रो-वाइस चांसलर (रिसर्च) प्रो. (डॉ.) एम. पी. कौशिक, रजिस्ट्रार डॉ. राजेश जैन तथा एमिटी स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन के प्रमुख डॉ. आदित्य शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। तीन मीडिया फेस्ट के दूसरे दिन 12 फरवरी को फिल्म फेस्टिवल आयोजित किया जाएगा, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता योगेंद्र विक्रम सिंह तथा प्रख्यात लेखक एवं निर्देशक शांतनु गुप्ता विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। अंतिम दिन 13 फरवरी को "एआई इन मीडिया एंड गवर्नेंस" विषय पर मीडिया कॉन्क्लेव का आयोजन होगा, जिसमें विशेषज्ञों के व्याख्यान और पैनल चर्चा के माध्यम से मीडिया के बदलते स्वरूप पर व्यापक विचार विमर्श किया जाएगा। इस अवसर पर एबीपी न्यूज से नीरज राजपूत, एनडीटीवी से अनुराग द्वारी, एशियन डिस्पेच से कृतिका गोयल, बिग एफएम से आरजे नैनी, मनीकन्ट्रोल से अभिनव गुप्ता आदि गणमान्य मीडिया के दिग्गत उपस्थित रहेंगे।

प्रोफेसर ने घर में फांसी लगाकर सुसाइड किया

भोपाल ● संवाददाता

भोपाल के रातीबड़ इलाके में रहने वाले प्राइवेट कॉलेज के प्रोफेसर ने मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। बुधवार सुबह परिजनों ने बॉडी देखने के बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के कमरे से पुलिस को सुसाइड नोट मिला है।

जिसमें उसने बीमारी के चलते जान देने की बात लिखी है। हालांकि परिजनों ने उसे किसी भी तरह की गंभीर बीमारी होने से इनकार किया है। पुलिस सभी एंगल पर जांच कर रही है। एसआई गब्बर सिंह के मुताबिक 32 वर्षीय शैलेंद्र सिंह ठाकुर पुत्र महेंद्र सिंह ठाकुर गोल्डन सिटी रातीबड़ में किराए से रहते थे। वह मूल रूप से सीहोर जिले के आष्टा स्थित गोपालपुर गांव के रहने वाले थे। बीते 6 महीने से भोपाल में किराए का कमरा लेकर रहते थे और रातीबड़ के ही प्राइवेट कॉलेज में बतौर प्रोफेसर जॉब कर रहे थे। उनके भाई ने पुलिस को बताया कि शैलेंद्र को किसी तरह की गंभीर बीमारी नहीं थी।

जल्द हो जाता था मौसमी बीमारियों का शिकार

बीते कुछ समय से उसे सर्दी और जुकाम जल्दी हो जाया करता था। इसके बाद होने वाली कमजोरी से वह परेशान रहता था। एसआई ने बताया कि शैलेंद्र के कमरे से मिले सुसाइड नोट में उसने लिखा कि बीमारी से तंग हूं...इसलिए जीना नहीं चाहता। सभी को बहुत प्यार करता हूं। अपना ध्यान रखें और स्वस्थ्य रहें। पुलिस के मुताबिक शैलेंद्र की पत्नी को बच्चेदानी का कैंसर है। जिसका इलाज बीते एक साल से चल रहा है। फिलहाल पत्नी अपने गोपालपुर स्थित मायके में रह रही है। मायके वाले ही उसका इलाज करा रहे हैं। इस बात को लेकर भी शैलेंद्र तनाव में रहता था।

शहर ने खोया अपना 'कक्का सेठ'

समाजसेवा, सादगी और समर्पण का नाम थे सरदार इंद्रजीत सिंह चावला

खरगोन ● रविन्द्र परमार

शहर की फिज़ाओं में आज गहरी ख़ामोशी है। हर गली, हर चौपाल और हर दिल एक ही सवाल से भरा है। क्या वाकई कक्का सिंह अब हमारे बीच नहीं रहे? दिनांक 10 फ़रवरी 2026 की रात्रि, हृदयघात ने उस व्यक्तित्व को हमसे छीन लिया, जिसने जीवन भर दूसरों के दिलों को जोड़े रखा। सरदार इंद्रजीत सिंहजी चावला बीते कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे, बावजूद इसके उनका आत्मबल और लोगों से जुड़ाव कभी कम नहीं हुआ। स्वर्गीय सरदार इंद्रजीत सिंहजी चावला, स्व. सरदार भजन सिंहजी चावला एवं स्व. सरदार मनमोहन सिंहजी चावला के छोटे भ्राता, सरदार नरेंद्र सिंहजी चावला के अनुज तथा सरदार चन्दीप सिंहजी चावला के पूज्य पिताजी थे। शहर उन्हें स्नेह और अपनत्व से "कक्का सेठ" कहकर पुकारता था क्योंकि वे हर किसी के अपने थे।

मेहनत से गढ़ा गया मुकाम

कक्का सेठ का जीवन किसी विरासत का नहीं, बल्कि कड़ी मेहनत, ईमानदारी और आत्मसम्मान से गढ़ा गया संघर्षपूर्ण सफ़र था। उन्होंने ज़मीन से उठकर वह मुकाम हासिल किया, जहाँ पहुँचना हर किसी के बस की बात नहीं होती। उनका व्यवसाय सिर्फ़ रोज़गार नहीं, बल्कि भरोसे और विश्वसनीयता की पहचान था।

सेवा, संगत और समर्पण का प्रतीक

गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष के रूप में कक्का सेठ ने गुरुद्वारे को सिर्फ़ एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता का केंद्र बनाया। उनके कार्यकाल में हुए निर्माण कार्य और संगत की सुविधाएँ आज भी उनकी दूरदृष्टि की गवाही देती हैं।

राजनीति से जुड़ाव, पर सेवा सर्वोपरि

कक्का भैया के कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे सुभाष यादव से पारिवारिक संबंध थे। वे स्वयं भी कांग्रेस पार्टी के सक्रिय सदस्य रहे। बावजूद इसके, उनकी पहचान कभी राजनीति से नहीं, बल्कि समाजसेवा, संतुलन और सौहार्द से बनी रही। वे मतभेदों से ऊपर उठकर हर वर्ग के साथ खड़े रहने वाले व्यक्ति थे।

संस्थाओं में मौन लेकिन मजबूत उपस्थिति

वे लायंस क्लब सहित शहर की कई सामाजिक, धार्मिक और सेवा संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े रहे। उनकी सेवा कभी मंचों पर नहीं दिखी, लेकिन ज़रूरतमंदों के जीवन में हमेशा महसूस हुई।

पत्रकारिता से आत्मीय नाता

कई पत्रकारों से उनके पारिवारिक और आत्मीय संबंध थे। इसी कारण वे पत्रकारिता की सच्चाई, संघर्ष और ज़िम्मेदारी को गहराई से समझते थे और सदैव निष्पक्ष पत्रकारिता के समर्थक रहे।

यादों में ज़िंदा रहेंगे कक्का सिंह

आज कक्का सेठ हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी सादगी, उनकी मुस्कान, उनका मार्गदर्शन और उनकी खामोश मदद इस शहर की आत्मा में हमेशा जीवित रहेगी। खरगोन ने आज एक इंसान नहीं, एक अभिभावक, एक मार्गदर्शक और एक अपना खो दिया है।

भोपाल में ईरानी डेरे से एक करोड़ का सोना जब्त

भोपाल ● संवाददाता

भोपाल में मंगलवार-बुधवार रात पुलिस ने बड़े स्तर पर कॉम्बिंग गश्त करते हुए ईरानी डेरे पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की। करीब 400 पुलिसकर्मियों की टीम ने रात दो बजे दबिश दी। कार्रवाई में 31 पुरुष और 8 महिलाओं सहित 39 लोगों को गिरफ्तार किया गया। दबिश के दौरान 644 ग्राम से ज्यादा सोना (करीब 1 करोड़ रुपए कीमत) जब्त किया गया।

पूरे शहर में चलाए गए अभियान में 283 स्थाई वारंटी और 125 गिरफ्तारी वारंटी सहित कुल 408 आरोपियों को पकड़ा गया। सभी आरोपी चोरी, नकबजनी, चेन स्नेचिंग और वाहन चोरी जैसे गंभीर मामलों में फरार थे।

ईरानी गैंग 6 राज्यों में सक्रिय

पुलिस के मुताबिक, गैंग का सरगना राजू ईरानी पहले ही सूरत से गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरोह मध्य प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान सहित 6 राज्यों में सक्रिय रहा है।

ईरानी डेरे से यह सामग्री जब्त

दोपहिया वाहन – कुल 17

सोने के आभूषण – कुल 644.56 ग्राम (कीमत लगभग 1 करोड़ रुपए)

चांदी के आभूषण – लगभग 240 ग्राम (कीमत लगभग)

कुल 39 मोबाइल (कीमत लगभग 8 लाख रुपए)

1 लाख 35 हजार रुपए

कुल 1 किलो 700 ग्राम गांजा।

6 राज्यों में अपराध को अंजाम देते थे गैंग के सदस्य

ईरानी डेरा के सरगना राजू ईरानी को भोपाल पुलिस ने गुजरात के सूरत से गिरफ्तार किया था. उस पर चोरी, लूट समेत कई मामलों में केस दर्ज हैं।

भोपाल की अमन कॉलोनी में पुलिस ने दबिश देकर 31 दिसंबर 2025 को ईरानी गैंग के कई अपराधियों को पकड़ा था।

संपादकीय

बांग्लादेश चुनाव बाद तय होगी दोस्ती या दुश्मनी

बांग्लादेश में अचानक जेन-जी आंदोलन और हिंसा के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना अगस्त 2024 में सत्ता से हटते हुए भारत में शरण लेती हैं। इसके बाद प्रमुख सलाहकार यूनुस की अंतरिम सरकार सत्ता की बागडोर संभालती है और फिर अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को तोड़ने-मरोड़ने का खेल शुरु हो जाता है। सबसे भरोसेमंद और हितैषी पड़ोसी मित्र देश को दूर करने और दुश्मनों को गले लगाने का काम भी होता है। इस दौरान न हिंसा रुकती है और न ही हालात बदलते हैं। इसी के साथ चुनाव की तारीख भी सामने आ जाती है। बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का अवसर भर नहीं हैं, बल्कि वे देश की वैचारिक दिशा, लोकतांत्रिक विश्वसनीयता और पड़ोसी देशों खासकर भारत से रिश्तों की जमीन तय करने वाले निर्णायक मोड़ साबित होंगे। कुल 300 सीटों में से 299 सीटों पर मतदान और 'जुलाई चार्टर' पर जनमत संग्रह के साथ यह चुनाव कई स्तरों पर महत्वपूर्ण होने वाले है। बावजूद इसके जिस राजनीतिक माहौल में चुनाव कराए जा रहे हैं, उससे इसकी निष्पक्षता और पारदर्शिता पर पहले से ही गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। सबसे बड़ा सवाल अवामी लीग को चुनाव लड़ने की अनुमति न दिए जाने को लेकर है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली यह पार्टी बांग्लादेश की राजनीति की केंद्रीय धुरी रही है। ऐसे में उसका चुनावी मैदान से बाहर होना लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की आत्मा को कमजोर करता है। अवामी लीग के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद ने चुनाव को सुनियोजित बताते हुए निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया को इस तरह से गढ़ा गया है कि एक विशेष विचारधारा को सत्ता में बनाए रखा जा सके। उन्होंने ऐसे चुनाव का बहिष्कार करने की अपील अंतरराष्ट्रीय समुदाय तक से कर डाली। यहां कहना गलत भी नहीं होगा कि यदि विपक्ष का एक बड़ा दल ही चुनावी प्रक्रिया से बाहर हो, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः संदिग्ध हो जाती है। बहरहाल चुनाव हो रहे हैं ऐसे में जीत-हार के दावे भी सामने आ गए हैं। चुनावी मुकाबला मुख्यतः तारिक रहमान के नेतृत्व वाले बीएनपी गठबंधन और जमात-ए-इस्लामी व नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के 11 दलों के गठबंधन के बीच माना जा रहा है। अनुमानित वोट प्रतिशत बताता है, कि मुकाबला कांटे का है। 13 वर्षों के प्रतिबंध के बाद जमात-ए-इस्लामी का चुनावी मैदान में लौटना भी एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। 2008 के बाद पहली बार वह चुनाव लड़ रही है। खुद को मुख्यधारा की राजनीति में स्थापित करने के प्रयास में जमात ने इस बार एक हिंदू उम्मीदवार को टिकट दिया है, हालांकि किसी महिला को उम्मीदवार नहीं बनाए जाने को लेकर जमात सुर्खियां भी बटोर रही है। इस मामले में पार्टी का तर्क है कि महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है, लेकिन यह तर्क समावेशी राजनीति की कसौटी पर अधूरा लगता है।

बांग्लादेश के आम चुनाव का एक बड़ा आयाम विदेश नीति भी है। जमात-ए-इस्लामी के नेताओं ने संकेत दिए हैं कि वे सम्मान और मर्यादा के आधार पर विदेश संबंधों को पुनर्परिभाषित करना चाहते हैं। पिछले 16 वर्षों की विदेश नीति को एक देश अर्थात भारत केंद्रित बताकर उसकी आलोचना की जा रही है। तीस्ता जल बंटवारा, सीमा पर होने वाली घटनाएं और साझा नदियों के पानी का मुद्दा प्रमुख चुनावी विषय बन चुके हैं। यह स्पष्ट है कि बांग्लादेश में भारत के साथ संबंध अब निर्विवाद नहीं रहे। यदि नई सरकार भारत के प्रति अधिक कठोर रुख अपनाती है, तो द्विपक्षीय रिश्तों में तनाव और बढ़ सकता है। सुरक्षा कारण बताकर भारत द्वारा चुनाव के लिए पर्यवेक्षक न भेजना भी इन्हीं संकेतों की ओर इशारा करता है। यह या तो सतर्क दूरी का संकेत है या फिर आंतरिक परिस्थितियों को लेकर एक प्रकार की प्रतीक्षा की नीति। वैसे यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत के लिए बांग्लादेश केवल पड़ोसी देश ही नहीं है, बल्कि सामरिक, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदार भी है। सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर भारत की स्थिरता, आतंकवाद-रोधी सहयोग और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी इन सभी पर ढाका की राजनीतिक दिशा का सीधा असर पड़ता है। चिंता का विषय यह भी है कि चुनावी विमर्श में वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ता दिख रहा है। यदि कट्टरपंथी ताकतें मजबूत होती हैं, तो अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदू समुदाय की सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द पर प्रश्नचिह्न लग सकते हैं। बांग्लादेश ने पिछले दशक में आर्थिक प्रगति और सामाजिक सूचकांकों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। राजनीतिक अस्थिरता या वैचारिक टकराव इस उपलब्धि को कमजोर कर सकता है।

परीक्षा का डर नहीं, आत्मविश्वास का उत्सव जब अपेक्षाओं का बोझ उतरे, तब सीखने की उड़ान शुरु हो

लेखक - कांतिलाल मांडोत

फरवरी-मार्च का नाम आते ही घरों का माहौल बदलने लगता है। वही कमरे, वही मेज, वही किताबें, लेकिन हवा में एक अनकहा तनाव घुल जाता है। रात भर जलती लाइटें, कॉफी या चाय के कप, आंखों में नींद और मन में आशंका यह दृश्य आज असामान्य नहीं रहा। परीक्षा अब केवल ज्ञान की परख नहीं रह गई है, वह बच्चों के मन के लिए एक कसौटी बन चुकी है। जैसे ही तारीखें नजदीक आती हैं, कई बच्चों के पैरों में कंपन, दिल की धड़कन तेज होना और अगर अच्छा नहीं हुआ तो? जैसे सवाल मन पर हावी हो जाते हैं।

असल समस्या परीक्षा नहीं है, समस्या वह माहौल है जो परीक्षा के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया गया है। जब परीक्षा को जीवन-मरण का सवाल बना दिया जाता है, तब बच्चा सवाल हल करने से ज्यादा अपने भविष्य को लेकर डरने लगता है। माता-पिता की उम्मीदें, समाज की तुलना और स्कूल का अंक-केंद्रित ढांचा मिलकर बच्चों के कंधों पर ऐसा बोझ रख देते हैं, जिसे उठाना हर किसी के बस की बात नहीं होती। परिणाम यह होता है कि परीक्षा ज्ञान का उत्सव बनने के बजाय भय का कारण बन जाती है।

मनोरोग विशेषज्ञ और शिक्षा मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि अत्यधिक दबाव में शरीर में तनाव हार्मोन बढ़ जाते हैं। इससे नींद प्रभावित होती है, भूख कम हो जाती है और ध्यान भटकने लगता है। बच्चा जितना ज्यादा डरता है, उतना ही उसका प्रदर्शन गिरने की आशंका बढ़ती जाती है। यह एक दुष्चक्र है।डर से प्रदर्शन कमजोर, और कमजोर प्रदर्शन से डर और गहरा। ऐसे में सबसे जरूरी सवाल यह है कि इस डर को कैसे तोड़ा जाए।

डर तोड़ने की शुरुआत सोच बदलने से होती है। बच्चे को यह महसूस कराना जरूरी है कि परीक्षा उसकी काबिलियत का एक पड़ाव है, पूरी पहचान नहीं। जब बच्चा यह समझ लेता है कि एक पेपर उसका भविष्य तय नहीं करता, तब उसके भीतर छुपा आत्मविश्वास धीरे-धीरे बाहर आने लगता है। पढ़ाई का मकसद नंबर जुटाना नहीं, समझ विकसित करना है।यह बात अगर घर और स्कूल दोनों जगह दोहराई जाए, तो आधा डर अपने आप कम हो जाता है।

बच्चों के लिए सबसे पहला और असरदार उपाय है दिनचर्या को संतुलित करना। लगातार घंटों पढ़ने से दिमाग थक जाता है और डर बढ़ता है। छोटे-छोटे अंतराल में पढ़ाई करने से न सिर्फ याददाश्त बेहतर होती है, बल्कि मन भी हल्का रहता है। पर्याप्त नींद लेना कोई विलास नहीं, बल्कि जरूरत है। सात से आठ घंटे की नींद दिमाग को तरोताजा रखती है और परीक्षा के समय घबराहट कम करती है। हल्की शारीरिक गतिविधि जैसे टहलना, स्ट्रेचिंग या योग, शरीर में सकारात्मक रसायन छोड़ती है जो तनाव को काबू में रखते हैं।

डर अक्सर अनिश्चितता से पैदा होता है। अगर सवाल नहीं आया तो?, अगर भूल गया तो? जैसे विचार मन को जकड़ लेते हैं। ऐसे में बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि वे अपने डर को नाम दें और उससे बात करें। जब डर को मन में दबाने के बजाय स्वीकार किया जाता है, तो उसकी तीव्रता कम होने लगती है। गहरी सांस लेने की सरल तकनीकें, परीक्षा से पहले कुछ मिनट आंखें बंद कर खुद को शांत करना, मन को वर्तमान में लाने में मदद करता है।

अभिभावकों की भूमिका यहां निर्णायक हो जाती है। बच्चे जितना परीक्षा से डरते हैं, उतना ही वे माता-पिता की प्रतिक्रिया से भी डरते हैं। अगर हर बातचीत का अंत अंकों पर हो, तो बच्चा खुद को मशीन समझने लगता है। तुलना बच्चों का आत्मविश्वास सबसे तेजी से तोड़ती है। जब किसी और के बच्चे की सफलता को आदर्श बनाकर पेश किया जाता है, तो संदेश साफ होता है।तुम जैसे हो, वैसे पर्याप्त नहीं हो। इसके उलट, अगर माता-पिता बच्चे की मेहनत को सराहें, उसकी कोशिशों को महत्व दें और असफलता की स्थिति में भी साथ खड़े रहें, तो बच्चा डर के बजाय भरोसे के साथ परीक्षा का सामना करता है।

सुनना भी एक बड़ी दवा है। कई बार बच्चे समाधान नहीं, सिर्फ समझ चाहते हैं। जब वे अपनी घबराहट, थकान या उलझन साझा करते हैं और सामने वाला बिना टोके, बिना उपदेश दिए उनकी बात सुन लेता है, तो मन का बोझ हल्का हो जाता है। घर का माहौल अगर सुरक्षित हो, जहां गलती पर डांट नहीं बल्कि बातचीत हो, तो परीक्षा का डर दरवाजे पर ही दम तोड़ देता है।

शिक्षकों के कंधों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है। अगर कक्षा में लगातार यह एहसास दिलाया जाए कि टेस्ट सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, अंतिम फैसला नहीं, तो बच्चों का नजरिया बदल सकता है। अंक के साथ-साथ प्रयास, रचनात्मकता और समझ की सराहना की जाए, तो छात्र खुद को सिर्फ नंबरों में सीमित नहीं मानते। कक्षा शुरू होने से पहले कुछ पल का ध्यान या शांत बैठना, बच्चों की एकाग्रता बढ़ाता है और मन को स्थिर करता है। शिक्षक अगर डर के बजाय भरोसे की भाषा बोलें, तो उसका असर गहरा और स्थायी होता है।

दुनिया के कई देशों ने यह समझ लिया है कि अत्यधिक प्रतिस्पर्धा बच्चों को मजबूत नहीं, कमजोर बनाती है। सहयोग, कौशल और जीवन-उद्देश्य पर आधारित शिक्षा मॉडल यह दिखाते हैं कि जब परीक्षा का दबाव कम होता है, तब सीखने की खुशी बढ़ती है। भारत में भी हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि शिक्षा का लक्ष्य केवल रैंक नहीं, बल्कि संतुलित और स्वस्थ व्यक्तित्व होना चाहिए। न्यायपालिका तक यह स्वीकार कर चुकी है कि लगातार मानसिक दबाव बच्चों के लिए नुकसानदेह है और संस्थानों को मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए।

अंत में, यह समझना जरूरी है कि डर का इलाज डर से नहीं, विश्वास से होता है। जब बच्चे को यह भरोसा मिले कि वह अपने अंकों से बड़ा है, उसकी काबिलियत एक परीक्षा में नहीं समा सकती, तब उसकी रीढ़ सीधी हो जाती है। परीक्षा फिर डर नहीं रहती, वह खुद को परखने और बेहतर बनने का अवसर बन जाती है। अगर हम सब माता-पिता, शिक्षक और समाज मिलकर अपेक्षाओं का बोझ थोड़ा हल्का कर दें, तो बच्चे मुस्कान के साथ परीक्षा कक्ष में कदम रखेंगे।

परीक्षा तब उत्सव बनेगी, जब हम उसे सीखने की यात्रा का पड़ाव मानेंगे, मंजिल नहीं। जब बच्चे के मन से भय हटेगा, तब ज्ञान अपने आप खिल उठेगा। यही वह बदलाव है, जिसकी आज सबसे ज्यादा जरूरत है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

लोकसभा-अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास: लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

लेखक - ललित गर्ग

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, असहमति के सम्मान और संस्थागत विश्वास पर टिकी हुई एक जीवंत परंपरा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मर्यादा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि विपक्ष का एक बड़ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है। 100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दर्शाती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी

उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं।

विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न वरिष्ठ नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेत? विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है। इससे न केवल विधायी कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाता है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं हैं।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह ठहराना और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी है। इसके लिए सदन में बोलने का अवसर, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता और आलोचना का सम्मान अनिवार्य है। यदि विपक्ष यह महसूस करता है कि उसके लिए ये रास्ते संकुचित किए जा रहे हैं, तो उसका आक्रोश सड़कों या नारेबाजी के रूप में फूट पड़ता है, जो अंततः संसद की गरिमा को ही नुकसान पहुँचाता है। दूसरी ओर, विपक्ष द्वारा बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करना भी उतना ही गंभीर दोष है, क्योंकि इससे शासन की प्रक्रिया ठप होती है और जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। इस दोतरफा अविश्वास और आक्रामकता के बीच लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कहीं खोता हुआ दिखता है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यदि संसद बार-बार हंगामे, निलंबन और गतिरोध की खबरों में रहे, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की लोकतांत्रिक छवि को प्रभावित करता है। विकास, नीति और जनकल्याण की चर्चा के स्थान पर यदि टकराव और अविश्वास केंद्र में आ जाए, तो यह भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र की मजबूती केवल मजबूत सरकार से नहीं, बल्कि मजबूत विपक्ष और निष्पक्ष संस्थानों से भी आती है। लोकसभा अध्यक्ष जैसे पद से अपेक्षा की जाती है कि वह न केवल नियमों का पालन कराए, बल्कि विश्वास का सेतु भी बने। वहीं विपक्ष से भी यह अपेक्षा है कि वह विरोध को रचनात्मक बनाए, न कि अवरोध का माध्यम।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद को फिर से संवाद का मंच बनाया जाए, जहाँ तीखी असहमति भी मर्यादा में व्यक्त हो और सत्ता व विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँ। अविश्वास प्रस्ताव जैसे कदम यदि चेतावनी के रूप में लिए जा रहे हैं, तो उन्हें आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। प्रश्न यह नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि यह है कि लोकतंत्र की संस्था को कैसे स्वस्थ, विश्वसनीय और प्रभावी बनाया जाए। जनता ने सांसदों को नारे लगाने या कार्यवाही बाधित करने के लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर गंभीर विमर्श के लिए चुना है। यदि संसद इस अपेक्षा पर खरी नहीं उतरती, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है।

यह भी तथ्य है कि लोकसभा अध्यक्ष के रूप में श्री ओम बिरला का संसदीय संचालन अब तक सामान्यतः अनुशासित, कार्यकुशल और नियमसम्मत माना जाता रहा है। उनके कार्यकाल में लोकसभा की कार्यवाही को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने, विधायी कार्यों को प्राथमिकता देने और विभिन्न दलों को साथ लेकर चलने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अनेक अवसरों पर उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है तथा संसदीय परंपराओं और नियमों के पालन पर बल दिया है। उनकी छवि एक ऐसे अध्यक्ष की रही है जो सदन को सुचारु रूप से चलाने के लिए होशियारी, धैर्य और व्यावहारिक समझ का प्रयोग करते हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संसदीय मर्यादाओं का आग्रह और संवाद के लिए दरवाज़े खुले रखने की प्रवृत्ति को देखते हुए उनके जैसे लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की स्थिति अपने आप में एक त्रासद और चिंताजनक घटना प्रतीत होती है। यह घटना व्यक्ति विशेष से अधिक उस माहौल की ओर संकेत करती है, जहाँ अविश्वास इतना गहरा हो चुका है कि संवाद और विश्वास के पुल कमजोर पड़ते जा रहे हैं।

अंततः यह समय आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर जिम्मेदारी स्वीकार करने का है। सत्तापक्ष को यह समझना होगा कि मजबूत विपक्ष लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत है। विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध की भी एक मर्यादा और रचनात्मकता होती है। और अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पदों को यह स्मरण रखना होगा कि उनकी निष्पक्षता केवल नियमों के पालन से नहीं, बल्कि व्यवहार और अवसर की समानता से भी सिद्ध होती है। यदि संसद को संवाद का मंच बनाए रखने में हम विफल रहते हैं, तो यह केवल एक सत्र या एक सरकार की विफलता नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हमारी सामूहिक असफलता मानी जाएगी। यही वह बिंदु है जहाँ हर नागरिक, हर जनप्रतिनिधि और हर संस्था को आत्मचिंतन करना होगा, ताकि विकास की राह में विनाश की संभावनाएँ नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और लोकतांत्रिक परिपक्वता का मार्ग प्रशस्त हो सके।

मेरे पिता असली नाग थे, तो क्या मैं भी नागिन हूं : एकता कपूर

मशहूर टीवी और फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने पिता जितेंद्र के बारे में मजेदार पोस्ट लिखा है। सोशल मीडिया पर जितेंद्र की फिल्म नागिन का वीडियो शेयर कर एकता ने खुलासा किया कि अगर उनके पिता नाग हैं तो क्या एकता प्रोड्यूसर हैं। दरअसल, एकता ने जितेंद्र की फिल्म नागिन का गाना तेरे संग प्यार में का वीडियो शेयर किया। इसमें जितेंद्र अभिनेत्री रीना रॉय के साथ डांस कर रहे हैं। एकता ने पोस्ट कर लिखा, मेरे पिता असली नाग (इच्छाधारी) थे, तो क्या इसका मतलब है कि मैं भी नागिन हूं? 1976 की फिल्म नागिन में जितेंद्र ने एक अहम भूमिका निभाई थी, जो इच्छाधारी नाग-नागिन की कहानी पर आधारित थी। सॉन्ग तेरे संग प्यार में की बात करें तो इसे लता मंगेश्कर और महेंद्र कपूर ने अपने सुरों से सजाया है और वर्मा मलिक ने इसके लिरिक्स लिखे हैं, जबकि लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने इसका संगीत तैयार किया है।

साल 1976 में रिलीज हुई लोकप्रिय फिल्म नागिन में जितेंद्र ने मुख्य भूमिका (नाग के रूप में) निभाई थी, और रीना रॉय इच्छाधारी नागिन बनी थीं। राज कुमार कोहली द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपने समय की सबसे बड़ी मल्टी-स्टारर फिल्मों में से एक थी, जिसमें सुनील दत्त, रेखा, मुमताज, फिरोज खान और संजय खान जैसे कलाकार भी शामिल थे। फिल्म की कहानी एक इच्छाधारी नागिन की थी, जो अपने प्रेमी (जितेंद्र) की हत्या का बदला लेने के लिए शिकारियों के समूह को एक-एक करके मारती है। एकता कपूर नागिन फ्रेंचाइजी की निर्माता के रूप में भी जानी जाती हैं। उन्होंने नागिन सीरीज के कई सीजन प्रोड्यूस किए हैं, जो टेलीविजन पर काफी लोकप्रिय हुए। इन दिनों नागिन 7 टीवी पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री प्रियंका चौधरी मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं।

मजेदार पोस्ट के जरिए ट्विंकल ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड अभिनेत्री एवं लेखिका ट्विंकल खन्ना ने इंस्टाग्राम पर हल्की-फुल्की और मजेदार पोस्ट के जरिए फिर से फैंस का दिल जीत लिया। एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वे आइसक्रीम का मजा लेती दिखाई दे रही हैं। ट्विंकल ने इस पोस्ट के साथ मिठाई प्रेमियों के लिए मजाकिया अंदाज में तीन 'जरूरी नियम भी लिखे। उन्होंने लिखा, 'खाने के शौक के तीन नियमः पहला, मिठाई हमेशा जीतती है। दूसरा, बांटने का नाटक करना जरूरी है, भले ही मन में जरा भी इरादा न हो। तीसरा, बातचीत का सही तरीका है नकली मुक्का दिखाना। ट्विंकल ने आगे मजाक में कहा कि अगर इन नियमों का पालन करेंगे, तो मजेदार तस्वीरें भी मिलेंगी और मिठाई भी पूरी आपकी ही रहेगी। उन्होंने पोस्ट के अंत में फैंस को मजेदार चुनौती देते हुए पूछा, 'अब बताइए, आपकी टेबल पर इस जंग में सबसे पहले कौन हारेगा? नीचे उसे टैग करें। उनके इस ह्यूमर भरे अंदाज पर फैंस जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और पोस्ट इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। ट्विंकल खन्ना बॉलीवुड की लोकप्रिय स्टारकिड रही हैं और उन्होंने 1995 में फिल्म 'बरसात से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। कुछ वर्षों तक फिल्मों में काम करने के बाद उन्होंने 2001 में अभिनेता अक्षय कुमार से शादी कर ली और उसके बाद अभिनय से दूरी बना ली। उन्होंने बतौर लेखिका और इंटीरियर डिजाइनर अपनी नई पहचान मजबूत की और आज वे एक सफल लेखक और डिजाइनर के रूप में जानी जाती हैं। हाल ही में ट्विंकल ने काजोल के साथ टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल शो होस्ट किया था। इस शो में दोनों ने कई सेलेब्रिटीज को बुलाकर उनके करियर, जीवन और इंडस्ट्री के अनुभवों पर दिलचस्प बातचीत की। यह शो फिलहाल प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है और दर्शकों द्वारा सराहा भी जा रहा है।

संघर्ष के दिन याद किए सुभाष घई ने, साझा की यादें

बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कालिचरण ने अपनी रिलीज के 50 साल पूरे कर लिए। बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक सुभाष घई ने इस खास मौके पर इंस्टाग्राम पर फिल्म की दुर्लभ तस्वीरें साझा कर पुराने दिनों को याद किया। सुभाष घई के लिए उनकी पहली निर्देशित फिल्म 'कालिचरण सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ रही है। तस्वीरों में शत्रुघ्न सिन्हा, रीना रॉय और फिल्म की पूरी टीम नजर आ रही है, जिसने एक युग के निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी। सुभाष घई ने भावुक होते हुए लिखा कि आज से ठीक 50 साल पहले उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया था। 'मेरी पहली निर्देशकीय फिल्म 'कालिचरण रिलीज हुई थी। उस दिन मैं बहुत घबराया हुआ था, क्योंकि उससे पहले मैंने अभिनय और दूसरों के लिए पटकथा लिखने में पूरे 10 साल संघर्ष किया था। निर्देशक ने कहा कि फिल्म की सफलता ने उनका करियर नया मोड़ दिया और उन्हें पहचान दिलाई, जिसके बाद उनका फिल्मी सफर लगातार आगे बढ़ता गया। उन्होंने 'कालिचरण की पूरी टीम के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। सुभाष ने लिखा कि वह आज भी निर्माता, कलाकार, सह-लेखक और तकनीकी टीम के आभारी हैं, जिन्होंने उस समय उन पर भरोसा किया जब उन्हें निर्देशन का कोई अनुभव नहीं था। उन्होंने कहा कि उन सभी की मेहनत और विश्वास ने ही 'कालिचरण को यादगार फिल्म बनाया और उन्हें एक सफल निर्देशक बनने का मौका दिया। 1976 में रिलीज हुई इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म ने न केवल सुभाष घई को निर्देशक के रूप में स्थापित किया, बल्कि शत्रुघ्न सिन्हा के करियर में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा, रीना रॉय, अजीत और डैनी डेन्जोंगपा अहम किरदारों में नजर आए थे। कहानी एक ईमानदार पुलिस अधिकारी के हमशक्ल अपराधी को सुधारकर खतरनाक विलेन 'लायन तक पहुंचने पर आधारित थी। यह प्लॉट उस समय दर्शकों के लिए नया और रोमांचक था, जिसने फिल्म को बड़ी हिट बना दिया। 'कालिचरण शत्रुघ्न सिन्हा के करियर की पहली बड़ी सफलता मानी जाती है। उनका 'शॉटगन अंदाज दर्शकों के बीच खूब लोकप्रिय हुआ। वहीं रीना रॉय के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री भी चर्चा में रही। फिल्म के गाने, खासकर 'जा रे जा ओ हरजाई, लंबे समय तक दर्शकों की जुबान पर चढ़े रहे। फिल्म की शानदार सफलता ने सुभाष घई को बॉलीवुड के सबसे सफल और प्रभावशाली निर्देशकों में शामिल कर दिया।

'घूसखोर पंडित से पहले भी कई फिल्मों के बदलने पडे है टाइटल

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी स्टारर अपकमिंग फिल्म 'घूसखोर पंडित अपने नाम के चलते विरोध के केंद्र में आ गई है। इस फिल्म के शीर्षक को लेकर विवाद गहरा गया है। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी एक भ्रष्ट पुलिस अधिकारी पर आधारित है, जिसे लोग 'घूसखोर पंडित के नाम से जानते हैं। इसी नाम को लेकर सोशल मीडिया और कई संगठनों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि शीर्षक किसी विशेष जाति को निशाना बनाता है, इसलिए इसे बदलना चाहिए। यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी फिल्म के नाम या थीम को लेकर इतना विवाद उठ खड़ा हुआ है। बॉलीवुड में कई बड़ी फिल्मों को विरोध, कानूनी नोटिस और सेंसरशिप की मांगों के चलते अपना टाइटल बदलना पड़ा है। हाल के वर्षों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं। साल 2023 में रिलीज हुई कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी स्टारर फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा का मूल नाम 'सत्यनारायण की कथा था। धार्मिक भावनाएं आहत होने के आरोप लगने के बाद मेकर्स ने नाम बदलना पड़ा। इसी तरह 2020 में अक्षय कुमार की फिल्म 'लक्ष्मी बॉम्ब को भी केवल 'लक्ष्मी करना पड़ा, जब देवी लक्ष्मी के नाम के साथ 'बॉम्ब शब्द जोडऩे पर आपत्ति जताई गई और राजनीतिक विवाद शुरू हो गया। अजय देवगन की फिल्म 'थैंक गॉड भी विवादों से अछूती नहीं रही। फिल्म में अजय का किरदार चित्रगुप्त से प्रेरित था, लेकिन देवता का मजाक उड़ाने के आरोप में विरोध बढ़ा तो टीम ने नाम बदलकर किरदार को केवल 'सीजी कर दिया। इसी तरह सलमान खान प्रोड्यूस्ड फिल्म 'लवरात्रि को भी नवरात्रि से मिलते-जुलते नाम पर उठे विवाद के बाद 'लवयात्री करना पड़ा। संजय लीला भंसाली की चर्चित फिल्म 'पद्मावती 2018 में उग्र विरोध के बाद 'पद्मावत बनकर रिलीज हुई। करणी सेना ने ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ और रानी पद्मावती के चरित्र के गलत चित्रण का आरोप लगाया था। नाम बदलने के साथ कुछ दृश्यों को भी हटाया गया। भंसाली की ही एक और फिल्म 'रामलीला को अपने मूल नाम पर विरोध झेलना पड़ा, जिसके बाद इसे 'गोलियों की रासलीला रामलीला के नाम से दर्शकों तक पहुंचाया गया।

थिएटर कम होने से फिल्में नही कर पाती पूरी कमाई : आमिर खान

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने देश में सिनेमा हॉल की कमी को लेकर चिंता जाहिर की है। एक इंटरव्यू में आमिर खान ने कहा कि भारत में थिएटरों की संख्या बहुत कम है, जिसकी वजह से बड़ी फिल्मों को भी अपनी पूरी क्षमता के मुताबिक बॉक्स ऑफिस कमाई हासिल नहीं हो पाती। आमिर ने अपनी बातें रखते हुए अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर का उदाहरण दिया और बताया कि कैसे ज्यादा स्क्रीन मिलने पर भारतीय फिल्मों की कमाई कई गुना बढ़ सकती है। आमिर खान ने चीन का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां लगभग एक लाख से ज्यादा सिनेमा स्क्रीन मौजूद हैं, जबकि भारत में अभी मुश्किल से 9,000 के आसपास स्क्रीन हैं। उन्होंने कहा, 'हम आउटलेट्स के मामले में चीन के दसवें हिस्से जितने भी नहीं हैं। चीन में जब कोई बड़ी फिल्म रिलीज होती है, तो वह अकेले अपने देश में ही दो बिलियन अमेरिकी डॉलर तक कमा लेती है। इतनी बड़ी कमाई सिर्फ उनके बॉक्स ऑफिस की ताकत से आती है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में इतने सीमित थिएटर होने के कारण फिल्मों की कमाई रुक जाती है। आमिर ने कहा, 'पिछले साल चीन की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म एनई झेडएचए 2 ने लगभग 2 बिलियन डॉलर सिर्फ चीन में कमाए। इसके मुकाबले भारत की सबसे बड़ी फिल्म 'धुरंधर ने देश में सिर्फ 115 मिलियन डॉलर और दुनिया भर में 150 मिलियन डॉलर से कम कमाए। यह फर्क सिर्फ स्क्रीन की संख्या का है।' धुरंधर का उदाहरण देते हुए आमिर ने कहा कि अगर यह फिल्म 5,000 की बजाय 15,000 स्क्रीन पर रिलीज होती, तो इसकी कमाई तीन गुना तक बढ़ सकती थी। उन्होंने कहा, 'धुरंधर ने लगभग 1,000 करोड़ रुपये कमाए और 4 करोड़ टिकट बेचे। सोचिए, अगर हमारे पास चीन जितनी स्क्रीन होतीं, तो भारतीय फिल्मों की कमाई दुनिया के किसी भी देश से आसानी से टक्कर ले सकती थी। देश में आज भी कई जिले ऐसे हैं, जहां एक भी सिनेमा हॉल नहीं है। रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर को आदित्य धर ने निर्देशित किया है और यह अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

हसरंगा टी20 विश्व कप से बाहर हुए, दुशान हेमंथा को मिल सकती है जगह

कोलंबो। श्रीलंका के रहस्यमयी स्पिनर वानिंदु हसरंगा हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गये हैं। हसरंगा जैसे बेहतरीन गेंदबाज का इस प्रकार टूर्नामेंट से बाहर होना सह-मेजबान श्रीलंका के लिए करारा झटका है। हसरंगा को कोलंबो में रविवार को आयरलैंड के खिलाफ हुए मैच के दौरान चोट लगी थी और एमआरआई स्कैन जांच के बाद ये पाया गया कि वह अब आगे नहीं खेल पायेंगे क्योंकि उनकी चोट गंभीर है। इंग्लैंड के एक विशेषज्ञ ने रिपोर्ट देखने के बाद उन्हें टी20 विश्व कप से बाहर होने की सलाह दी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अब हसरंगा चार सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। हसरंगा की कमी पूरी करना लंकाई टीम के लिए संभव नहीं है। वह एक मैच विजेत गेंदबाज होने के साथ ही निचले क्रम में एक उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। आयरलैंड के खिलाफ ग्रुप स्तर के पहले ही मैच में हसरंगा ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी और 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए थे। हसरंगा की जगह अब टीम में लेगस्पिनर दुशान हेमंथा को शामिल किये जाने की संभावना है। हेमंथा ने श्रीलंका की ओर से अब तक 5 एकदिवसीय और तीन टी20 खेले हैं, जिसमें उन्होंने 6 विकेट लिए हैं। श्रीलंका को दूसरा ग्रुप मैच 12 फरवरी को ओमान से खेलना है। इसके बाद 16 फरवरी को उसे पल्लेकेले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और अंत में 19 फरवरी को कोलंबो में जिम्बाब्वे से खेलना है।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से अन्य टीमों को रहना होगा सावधान : बिशप

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर इयान बिशप का मानना है कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया ऐसी टीमें हैं जिनसे उन्हें डर लगाता है। बिशप के अनुसार इंग्लैंड टीम की आक्रामण रणनीति और कौशल इससे अन्य टीमों से अधिक खतरनाक बनाती है। जैसे-जैसे मुकाबले आगे बढ़ेंगे ये और भी खतरनाक होती जाएगी। साथ ही कहा कि विश्वकप जैसे बड़े टूर्नामेंट में अनुभव, ताकत और सही रणनीति का सही प्रयोग किसी भी टीम को विजेता बना सकता है। इसलिए अन्य टीमों को उससे सावधान रहने की जरुरत है। इस पूर्व क्रिकेटर ने इस छोटे प्रारुप के अनुसार इंग्लैंड की तूफानी बल्लेबाजी, संतुलित गेंदबाजी और की प्रशंसा की है। बिशप के अनुसार, इंग्लैंड की टीम ऐसे क्षेत्रों में रन बना रही है, जिसमें पारंपरिक टीमें असफल रही हैं। बिशप के अनुसार इंग्लैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया से भी उन्हें डर लगता है क्योंकि वह कभी भी बाजी पलट देती है। उसके पास बेहतरीन बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। उनका मानना है कि इंग्लैंड के पास जबरदस्त पावर-हिटिंग क्षमता है और उनकी बल्लेबाजी बड़े चौके और छक्कों पर आधारित है। उसके कप्तान हैरी ब्रूक किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को बिखेर सकते हैं। बिशप ने कहा कि लीग क्रिकेट के अनुभव से भी उसे लाभ हुआ है। इंग्लैंड की टीम में अनुभवी और युवा खिलाडि ों का बेहतर संयोजन है। उसके पास आदिल राशिद जैसे अनुभवी स्पिनर के आलाव जैकब बेथेल जैसे युवा खिलाड़ी हैं। ये खिलाड़ी बेखौफ होकर खेलते हैं और नई सोच टीम में लाये हैं। इसी संतुलन का लाभ इंग्लैंड को मिलता रहा है। बिशप के अनुसार उसके पा जोफ्रा आर्चर जैसा तेज गेंदबाज है। उससी वापसी से इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी बेहतर हुई है। तेज़ रफ्तार, उछाल और सटीक यॉर्कर डालने की उसकी क्षमता बड़े मैचों में प्रभवी साबित हो सकती है। इसके अलावा, सैम करन और लियाम डॉसन जैसे ऑलराउंडर होने से टीम की क्षमता बढ़ती है।

शेरफेन रदरफोर्ड के तूफान के बाद चला गेंदबाजों का जादू

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को हराकर मारी बाजी

मुंबई ● एजेंसी

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के हाईवोल्टेज मैच में वेस्टइंडीज की टीम ने इंग्लैंड को 30 रनों से हरा दिया है। इस मैच में वेस्टइंडीज ने 6 विकेट खोकर 196 रन का स्कोर टांगा था। जवाब में इंग्लैंड की टीम 166 रनों पर सिमट गई। इस मैच में शेरफेन रदरफोर्ड वेस्टइंडीज की जीत के हीरो बने जिन्होंने तेज तर्रार फिफ्टी ठोकी। वहीं इसके बाद वेस्टइंडीज के स्पिन गेंदबाजों ने इंग्लैंड को इस स्कोर तक पहुंचने से रोक लिया। इस टूर्नामेंट में ये वेस्टइंडीज की लगातार दूसरी जीत है।

गुडाकेश मोती ने इंग्लैंड को नचायाः वेस्टइंडीज के लिए इस मैच में गुडाकेश मोती ने कमाल का प्रदर्शन किया। गुडाकेश मोती ने 4 ओवर के अपने कोटे में 33 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं रोस्टन चेज ने 2 विकेट हासिल किए। इंग्लैंड के लिए सैम करन ने नाबाद 43 रन की पारी खेली। इसके अलावा जेकब बेथेल ने 33 और फिल सॉल्ट ने 30 रन की पारी खेली।

शेरफेन रदरफोर्ड ने खेली तेज तर्रार पारीः इससे पहले, शेरफेन रदरफोर्ड के नाबाद 76 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने खराब शुरूआत से उबरते हुए इंग्लैंड के खिलाफ 6 विकेट पर 196 रन बनाए। रदरफोर्ड ने 7 छक्कों और दो चौकों की मदद से 42 गेंद में नाबाद 76 रन बनाए। इससे पहले वेस्टइंडीज ने दस ओवर के बाद 79 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे।

आखिरी 10 ओवर में बने 117 रनः आखिरी 10 ओवर में 117 रन बने। रदरफोर्ड ने पांचवें विकेट के लिये रोवमैन पॉवेल (14) के साथ 51 रन की साझेदारी की। इसके बाद पूर्व कप्तान जैसन होल्डर (17 गेंद में चार छक्कों, एक चौके की मदद से 33 रन) के साथ छठे विकेट के लिये 32 रन जोड़े। टेस्ट कप्तान रोस्टन चेस ने चौथे नंबर पर उतरकर 34 रन बनाये। होल्डर ने आखिरी ओवरों में सैम कुरेन को एक ही ओवर में तीन छक्के लगाए।

होल्डर ने लगाए लंबे छक्केः रदरफोर्ड को 18वें ओवर में आदिल रशीद ने जीवनदान दिया था। होल्डर ने आतिशी पारी खेलकर रदरफोर्ड पर से दबाव कम किया। पिछले मैच में नेपाल के बल्लेबाजों से नसीहत पाने वाले रशीद ने मजबूती से वापिस की और 16 रन देकर दो विकेट चटकाए। वेस्टइंडीज की शुरूआत खराब रही और दो विकेट आठ रन पर ही गिर गए। कप्तान शाइ होप ने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर कवर प्वाइंट पर टॉम बेंटोन को कैच थमाया जबकि कुरेन ने ब्रेंडन किंग को स्वीपर कवर में लपकवाया। चेस ने पांचवें ओवर में विल जैक्स को लगातार तीन चौके लगाये जबकि शिमरोन हेटमायेर ने एक छक्का जड़ा। जैमी ओवर्टन ने 33 रन देकर दो विकेट चटकाए। उन्होंने हेटमायेर (23) का विकेट भी चटकाया जिन्होंने शॉर्ट फाइनल लेग पर कुरेन को कैच दिया।.

एसए20 में खेलने से फायदा हुआ : राशिद खान

अहमदाबाद ● एजेंसी

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान राशिद खान ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग एसए20 में खेलने से उन्हें काफी लाभ हुआ है। राशिद विश्वकप से पहले एसए20 खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीका गये थे। वहां खेलने से उनको लय हासिल हो गयी थी। राशिद के अनुसार अपने इस अनुभवी को उन्होंने टीम के अन्य खिलाडिय़ों से भी साझा किया है। जिससे भी युवाओं को लाभ होगा। राशिद पिछले चार सत्र से दक्षिण अफ्रीकी लीग में खेल रहे हैं। वह एसए20 में एमआई केपटाउन की ओर से खेलते हैं। राशिद ने कहा, इस तरह का अनुभव टीम के साथ जानकारी साझा करने में सहायता करता है। मैं लंबे समय से खेल रहा हूं और लगभग सभी दक्षिण अफ्रीकी खिलाडिय़ों के साथ खेला हूं। उन्होंने कहा, इससे उन युवा खिलाडिय़ों को लाभ मिलता है, जिन्होंने अभी ज्यादा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्हें समझ आता है कि सामने वाली टीम किस प्रकार से काम करती है। राशिद ने कहा कि भारतीय हालातों में खेलने का अनुभव होने के कारण अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही टीमों को लाभ । उन्होंने कहा, अनुभव जरूर मदद करता है, लेकिन फिर भी कोई नहीं जानता कि मैच के दिन पिच का रवैया कैसा रहेगा। आईपीएल अलग होता है और आईसीसी टूर्नामेंट अलग। जब आप देश के लिए खेलते हैं तो दबाव भी ज्यादा होता है। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ चेन्नई में खेले गए मैच में, मुजीब उर रहमान ने अच्छी गेंदबाजी की थी, लेकिन उस दबाव को बनाए नहीं रख पाए थे। न्यूजीलैंड ने उस मैच को पांच विकेट से जीता था। राशिद ने कहा, हमारी लाइन और लेंथ में कमी रही। खासकर पावरप्ले में हमने बल्लेबाजों को खुलकर शॉट खेलने का मौका दिया। मुजीब ने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन तेज गेंदबाजों ने रन दे दिए।

नीदरलैंड टीम ने दबाव का सामना करने मनोवैज्ञानिक की सलाह ली

नई दिल्ली ● एजेंसी

नीदरलैंड की टीम ने इस बार टी20 विश्वकप क्रिकेट में दबाव का बेहतर तरीके से सामना करने के लिए मनोवैज्ञानिक की सलाह के अनुसार काम कर रही है। मनोवैज्ञानिक टॉम डॉसन स्किवब के अनुसार किसी गलती पर खिलाडियों को फटकारने से बेहतर है कि उन्हें अपने अनुसार खेलने दें और दबाव न बनायें। उनकी जर्सी के अंदर सरल भाषा में मनोबल बढ़ाने वाले शब्द लिखे गये हैं। अनुभवी बल्लेबाज कोलिन एकेरमैन ने कहा है कि मनोवैज्ञानिक का ये तरीका काफी अच्छा है। इसका लाभ उन्हें तब मिलता है जब वह दबाव का सामना करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा, इससे हमें काफी सहायता मिल रही है। वह मैदान से बाहर हमें बताते हैं कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हमने ऐसी तकनीक अपनाई है कि हर किसी को दो शब्द दिये गए हैं जो उसके लिए काफी मायने रखते हैं। ये शब्द हमारी जर्सी के भीतर छपे हैं तो जब भी आत्मविश्वास डगमगाता है तो हम उन्हें देख लेते हैं। एकेरमैन ने यह भी कहा कि उनकी टीम कीक एक कमजोर ये है कि उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष टीमों के खिलाफ अधिक मैच खेलने का अनुभव नहीं है। उन्होंने कहा, बड़ी टीमों के खिलाफ हमें ज्यादा खेलने का अवसर नहीं मिलता। इस टूर्नामेंट से पहले किसी पूर्ण सदस्य देश की बात करें तो हमने अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ खेला।

नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम गुरूवार को नामीबिया के खिलाफ ग्रुप ए के टी20 विश्वकप मुकाबले में बड़ी जीत के साथ ही लय हासिल करने उतरेगी। भारतीय टीम को अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा था। वहीं इस मैच में उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर आसान जीत हासिल करना रहेगा। इस बार कमजोर टीमों ने भी सभी को हैरान किया है इसलिए भारतीय इस मुकाबले को हल्के में नहीं लेगी। भारतीय टीम को इसके बाद पाकिस्तान से भी खेलना है। ऐसे में इस मैच से उसे अभ्यास को भी अच्छा अवसर मिलेगा। भारतीय टीम को पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ कप्तान सूर्यकुमार यादव की पारी से जीत मिली थी पर इस मैच में सभी अन्य बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना पड़ेगा। भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तबियत ठीक नहीं है और इस कारण वह इस मैच में नहीं खेलेंगे। ऐसे में ईशान किशन और संजू सैमसन पारी की शुरआत कर सकते हैं। इसस मैच में रिंकू सिंह और अक्षर पटेल को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस मैच में वापसी तय है। ऐसे में अलावा मोहम्मद सिराज या अर्शदीप सिंह में से किसी को बाहर बैठना होगा। वहीं दूसरी ओर नामीबिया को शुरू से ही आक्रामक होना होगा और स्ट्राइक रोटेट करनी होगी, और ऐसी साझेदारी बनानी होगी जिससे वे एक बड़ा स्कोर बना सकें या उसका पीछा कर सकें। उनके गेंदबाजों के लिए भारतीय बल्लेबाजों को रोकना बेहद कठिन हरेगा।

अभिषेक पेट में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को पेट में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में उनका गुरुवार को नामीबिया के खिलाफ होने वाले टी20 विश्वकप मुकाबले में खेलना संदिग्ध है। अभिषेक टूर्नामेंट की शुरुआत से ही पेट दर्द की शिकायत कर रहे थे। भारतीय टीम को 15 फरवरी को पाकिस्तान से खेलना हैं। ऐसे में तब तक उनक ठीक होना जरुरी है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो ये भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि वह तेजी से रन बनाने के लिए जाने जाते हैं। यूएई के खिलाफ पहले मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी कहा था कि अभिषेक के पेट में दर्द है। वह अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में भी फील्डिंग के लिए नहीं उतरे थे। अभिषेक शर्मा यूएसए के खिलाफ पहले मुकाबले में गोल्डन डक पर आउट हुए थे। रिपोर्ट के अनुसार अभिषेक को पेट में संक्रमण हुआ है इसके साथ ही उन्हें बुखार भी है। रविवार को मुख्य कोच गौतम गंभीर के घर हुए टीम डिनर में भी वह ठीक नहीं लग रहे थे। इसी कारण थोड़ी देर में ही वहां से चले गए थे। सोमवार को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार को भी वह वहीं भर्ती रहे। फिलहाल टीम प्रबंधन उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। वहीं अगर अभिषेक फिट नहीं हुए तो संजू सैमसन को ईशान किशन के साथ पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाएगा। अभिषेक का नामीबिया के खिलाफ मुकाबला खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। ऐसे में ईशान किशन के साथ ओपनिंग करने का मौका सैमसन को मिल सकता है। सैमसन का चयन टी20 विश्व कप स्क्वॉड में पारी की शुरुआत के लिए ही हुआ था पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बुरी तरह असफल होने के उन्हें पहले दो मैचों में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। अब अगर नामीबिया के खिलाफ उन्हें खेलने का मौका मिलता है तो वह बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। अभिषेक अगर नहीं खेलते तो ईशान पर तेजी से रन बनाने की जिम्मेदारी रहेगी। ईशान पिछले कुछ समय से काफी अच्छा खेल रहे हैं। कैसी है और वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए फिट भी हैं या नहीं। उनके पाक के साथ मुकाबले से पहले फिट होने की पूरी उम्मीद है।

बॉटम

दोपहर 3 :00 बजे से होगा मैच

टी20 विश्वकप में नेपाल और इटली का आज होगा मुकाबला

मुंबई ● एजेंसी

टी20 विश्वकप में गुरुवार को यहां नेपाल की टीम का मुकाबला इटली से होगा। अपने पहले ही मैच में इंग्लैंड के खिलाफ केवल 4 रनों से हारी नेपाल की टीम इस मैच को जीतने के इरादे से उतरेगी। जिस प्रकार उसने पहले ही मैच में दो बार विजेता रही इंग्लैंड को टक्कर दी है उससे तय है कि वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। वहीं इटली की टीम पहली बार इस प्रतियोगिता में भाग ले रही है जबकि नेपाल ने साल 2014 में हांगकांग और अफगानिस्तान को हराया था पर उसके बाद नेपाल एक भी मैच नहीं जीत पाया है। नेपाल तीन अवसरों पर टेस्ट खेलने वाले देशों को हराने के बेहद करीब पहुंचा पर अंत में उसे हार का सामना करना पड़ा था। वह 2024 में दक्षिण अफ्रीका से वह केवल एक रन से और बांग्लादेश से 21 रन से हार गया था। इंग्लैंड के खिलाफ वह पहले मैच में लक्ष्य हासिल करने के करीब पहुंच गया था पर अंत में उसे चार रन से हार झेलनी पड़ी। नेपाल के क्रिकेटरों के प्रदर्शन की काफी तारीफ भी हुई है। इटली के खिलाफ भी पूरी संभावना है कि दर्शक उसे पूरा समर्थन देंगे। नेपाल के पास कुशल भुर्टेल के रूप में शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाज है, वहीं दीपेंद्र सिंह ऐरी, कप्तान रोहित पौडेल और आरिफ शेख मध्य क्रम को मजबूती प्रदान करते हैं। लोकेश बाम ने अपने आक्रामक स्ट्रोक प्ले से जोफ्रा आर्चर और आदिल राशिद जैसे कुशल गेंदबाजों को भी पीट दिया। नेपाल को हालांकि कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है। इंग्लैंड के खिलाफ बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने बीच के ओवरों में पर्याप्त चौके नहीं लगाए। उन्हें विकेटों के बीच दौड़ में भी सुधार करना होगा। दूसरी ओर इटली टूर्नामेंट के पहले मैच में स्कॉटलैंड से मिली 73 रन की करारी हार से उबरकर नए सिरे से शुरुआत करना चाहेगा। इस मैच के दौरान इटली के कप्तान वेन मैडसेन के कंधे में भी चोट लग गई थी और पूरी संभावना है कि नेपाल के खिलाफ हैरी मैनेंटी टीम की कप्तानी करेंगे। इटली ने स्कॉटलैंड के खिलाफ गेंदबाजी में कई बदलाव किये पर उसे सफलता नहीं मिली। नेपाल के खिलाफ इटली को अगर जीत दर्ज करनी है तो उसके सभी खिलाडिय़ों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

नेपाल: रोहित पौडेल (कप्तान), आरिफ शेख, आसिफ शेख (विकेटकीपर), दीपेंद्र सिंह ऐरी, बसीर अहमद, कुशल भुर्टेल, संदीप जोरा, लोकेश बाम, गुलसन झा, करण केसी, सोमपाल कामी, संदीप लामिछाने, शेर मल्ला, ललित राजबंशी, नंदन यादव।

इटली: वेन मैडसेन (कप्तान), मार्कस कैंपोपियानो, जियान-पिएरो मीडे (विकेटकीपर), एंथोनी मोस्का, जस्टिन मोस्का, सैयद नकवी, हैरी मैनेंटी, जे जे स्मट्स, ग्रांट स्टीवर्ट, अली हसन, थॉमस ड्रेका, जसप्रीत सिंह, क्रिशन कलुगामागे, बेन मैनेंटी, ज़ैन अली।

न्यूज ब्रीफ

अब दुनिया के सबसे पावरफुल टेलीस्कोप के पास नहीं बनेगा पावर प्लांट

नई दिल्ली। ब्रह्मांड के रहस्यों को टटोलने वाली इंसानी आंख यानी टेलीस्कोप्स पर मंडरा रहा 10 बिलियन डॉलर का खतरा टल गया है। दुनिया के सबसे साफ और शुष्क आसमान के रुप में मशहूर अटाकामा की पहाडि ों पर अगर यह प्रोजेक्ट शुरु होता तो सितारों की रोशनी कृत्रिम चकाचौंध में खो जाती। वैज्ञानिकों ने इसे अंधेरे की जीत और विज्ञान की रक्षा करार दिया है। चिली के अटाकामा रेगिस्तान में प्रस्तावित एक विशाल मेगा-प्रोजेक्ट को खगोल वैज्ञानिकों के कड़े विरोध के बाद रद्द कर दिया गया है।यह मामला केवल एक फैक्ट्री का नहीं था बल्कि पृथ्वी से अंतरिक्ष को देखने वाली हमारी सबसे शक्तिशाली खिड़कियों को बचाने की जंग थी। पैरानल वेधशाला के करीब इस मेगा-प्लांट के आने से लाइट पॉल्यूशन (प्रकाश प्रदूषण) का ऐसा खतरा पैदा हो गया था जिससे दुनिया के सबसे महंगे टेलीस्कोप्स बेकार हो सकते थे। नोबेल पुरस्कार विजेताओं से लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष संस्थाओं तक ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।

इस हफ्ते दो वंदे भारत ट्रेनें होंगी बंद, एक नई वंदे भारत राजस्थान से गुजरात चलेगी

नई दिल्ली। रेलवे मंत्रालय ने वंदे भारत ट्रेनों को लेकर कई घोषणाएं की हैं। इनमें एक नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरु करना भी शामिल है। वहीं दो अन्य वंदे भारत ट्रेनों के इस हफ्ते से बंद होने की सूचना भी है। नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन राजस्थान और गुजरात को कनेक्ट करेगी। यह नई सेमी-हाई स्पीड ट्रेन उदयपुर से असरवा (अहमदाबाद) के बीच चलेगी। इस ट्रेन का मेंटेनेंस और ऑपरेशन उत्तरी पश्चिमी रेलवे करेगा। इससे प्रदेश में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके साथ ही भारतीय रेलवे ने एक और फैसला लिया है। इसके मुताबिक इस हफ्ते से दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें बंर की जाएंगी। यह ट्रेनें, उदयपुर सिटी-आगरा कैंट और उदयपुर सिटी-जयपुर रुट पर चलती थीं। एनडब्लूआर ने बयान जारी कर कहा कि ट्रेन नंबर 20981/82 (उदयपुर सिटी-आगरा कैंट-उदयपुर सिटी) वंदे भारत एक्सप्रेस 15 फरवरी से नहीं चलेगी। वहीं, ट्रेन नंबर 20979/80 (उदयपुर सिटी-जयपुर-उदयपुर सिटी) वंदे भारत एक्सप्रेस 14 फरवरी से बंर हो जाएगी। उदयपुर सिटी-असरवा (अहमदाबाद)-उदयपुर सिटी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन मंगलवार छोड़ हफ्ते में छह दिन चलेगी।

देश की सबसे अमीर नगर निगम पर बीजेपी का कब्जा, रितु तावड़े बनीं महापौर

मुंबई। बीजेपी पार्षद रितु तावड़े बृहन्मुंबई नगर निगम की निर्विरोध महापौर चुनी गई हैं। पिछले चार दशकों में यह पहली बार है जब बीजेपी इस पद पर पहुंची है। शिवसेना (यूबीटी) द्वारा उम्मीदवार न उतारने के फैसले के बाद चुनाव निर्विरोध हो गया, जिससे मुंबई के सबसे धनी नगर निकाय पर ठाकरे परिवार का 25 साल का वर्चस्व खत्म हो गया। शिवसेना नेता संजय घड़ी उप महापौर चुने गए हैं। घाटकोपर पश्चिम से तीन बार की पार्षद, रितु तावड़े को जमीनी राजनीति, नगर प्रशासन और जन कल्याण में एक दशक से ज्यादा का अनुभव है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता उन्हें सक्रिय नेता और समुदाय से मजबूत जुड़ाव रखने वाली नेता बताते हैं, जिन्होंने प्रशासनिक क्षमता और स्थानीय लोगों से घनिष्ठ संबंध के संयोजन के लिए ख्याति अर्जित की है। तावड़े मुंबई की नगर निगम राजनीति में एक प्रमुख स्थान रखती हैं। उन्होंने 2012 में वार्ड 127 से पार्षद चुने जाने के बाद पहली बार बृहन्मुंबई नगर निगम में प्रवेश किया। 2017 में वे घाटकोपर के वार्ड 121 से निर्वाचित हुईं। 15 जनवरी को हुए नगर निगम चुनावों में तावडे ने वार्ड 132 से जीत हासिल की, जिससे देश के सबसे धनी नगर निगम में उनकी स्थिति और मजबूत हो गई। पार्षद के रुप में अपनी भूमिका के अलावा, तावडे मुंबई नगर निगम की शिक्षा समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

अब अमेरिका तय करेगा हम किससे तेल खरीदेंगे, क्या हमारे फैसले वह लेगा

लोकसभा में राहुल गांधी बोले- आपने हमारी भारत मां को बेच दिया, आपको कोई शर्म नहीं

नई दिल्ली ● एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा है कि देश को बेचकर इन्हें शर्म नहीं आती है। उन्होंने कहा कि भारत के फैसले अमेरिका कैसे ले रहा है। राहुल ने कहा कि अब अमेरिका तय करेगा कि हम किससे तेल खरीदेंगे। अमेरिका हमारे पास आएगा और कहेगा, आप फलां-फलां से तेल खरीदिए। क्या हमारे फैसले अब अमेरिका लेगा। हमारा फैसला प्रधानमंत्री नहीं करेंगे। लोकसभा में बेहद गरमागरम बहस के बीच राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने अमेरिका को ये सब कैसे करने दिया। राहुल गांधी ने कहा कि आप खुद कहते हैं कि एनर्जी और फाइनेंस वेपनाइज़ेशन है और आपने अमेरिकियों को हमारे फाइनेंस और हमारी एनर्जी को हमारे खिलाफ हथियार बनाने की इजाजत दी है। इसका क्या मतलब है जब अमेरिका कहता है कि आप इसे नहीं खरीद सकते। किसी खास देश से तेल नहीं खरीद सकते तो इसका मतलब है कि हमारी एनर्जी वेपनाइज़्ड है। राहुल ने कहा कि जब वे कहते हैं, आपके टैरिफ कम हो जाएंगे। हमारे टैरिफ कम हो जाएंगे और आपके बढ़ जाएंगे। इसका मतलब है कि फाइनेंस, ट्रेड वेपनाइज़्ड है। तो आप हमें बता रहे हैं कि दुनिया एक ऐसी जगह है जहां जियोपॉलिटिकल कॉन्फ्लिक्ट बढ़ रहा है। आप हमसे कह रहे हैं कि एनर्जी और फाइनेंस को हथियार बनाया जाएगा और फिर आप अपने साथ ऐसा करवा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि आपने इंडिया को बेच दिया है। क्या आपको इंडिया बेचने में शर्म नहीं आती? आपने हमारी भारत मां को बेच दिया है। आपको कोई शर्म नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर इंडिया अलायंस ट्रंप से डील करता तो हम भारत के हितों का पक्का ख्याल रखते। राहुल ने कहा कि अगर हम ट्रंप से बात करते तो हम कहते कि राष्ट्रपति ट्रंप अगर आप अपना डॉलर बनाना चाहते हैं तो ये अच्छी बात है, हम आपके दोस्त हैं, हम आपको आपके डॉलर बचाने में मदद करना चाहते हैं, लेकिन याद रखिए, अगर आप अपना डॉलर बचाना चाहते हैं तो सबसे बड़ी दौलत जो डॉलर को बचा सकती है वो है भारतीय लोगों के साथ रहना। दूसरी बात हम ट्रंप को यह कहते कि देखिए मिस्टर प्रेसिडेंट यदि आप भारतीयों के डाटा तक पहुंच चाहते हैं तो पहली बात यह है कि आपको हमारे साथ बराबरी के स्तर पर बात करनी पड़ेगी। आप हमारे साथ ऐसे नहीं बात करेंगे जैसे कि हम आपके नौकर हैं। हम ट्रंप को कहते कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा बेहद अहम है और चाहे जो कुछ भी हो जाए हम अपनी एनर्जी सिक्योरिटी की हर हाल में रक्षा करेंगे। राहुल ने कहा कि ट्रंप को दूसरी बात हम यह कहते कि ट्रंप महोदय आपका वोटर बेस है, एग्रीकल्चर वोटर बेस है, हम इसे समझते हैं कि आपको अपने किसानों को प्रोटेक्ट करने की जरूरत है, लेकिन हम भी अपने किसानों की रक्षा करेंगे। इंडिया अलायंस कहता कि हम आपके साथ बराबरी के स्तर पर बात करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने कहा कि डाटा भारत की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि हम डिजिटल ट्रेड डील्स पर कंट्रोल छोड़ देते हैं, डेटा लोकलाइज़ेशन के लिए कोई डीड नहीं, हमारे लिए फ्री डेटा फ्लो, डिजिटल टैक्स पर लिमिट, सोर्स कोड पर डिस्कस करने की कोई ज़रूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास में पहली बार हमारे किसान तूफान का सामना कर रहे हैं। मक्का सोयाबीन जैसी फसलों में आपने दरवाजा खोल दिया है। मैकेनाइज्ड अमेरिकन फार्म्स के लिए। आपने हमारे गरीब किसानों को कुचलने का रास्ता खोल दिया है। यह शर्मनाक है। इससे पहले किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया और मैं आपको बता दूं आपके बाद कोई भी कोई प्रधानमंत्री ऐसा कभी नहीं करने वाला है। राहुल गांधी ने लोकसभा में आरोप लगाया कि भारत-अमेरिकी ट्रेड डील 'पूरी तरह से सरेंडर है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने टैरिफ कम कर दिए हैं, भारतीय डेटा सौंप दिया है, विदेशी कंपनियों को 20 साल की टैक्स छूट दी है, किसानों को मशीनीकृत अमेरिकी खेती से मुकाबले के लिए मजबूर किया है, टेक्सटाइल सेक्टर को कमजोर किया है और एनर्जी सिक्योरिटी से समझौता किया है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड डील के बाद अमेरिका से हमारा इंपोर्ट 46 बिलियन से बढ़कर 146 बिलियन हो जाएगा और हमारा टैरिफ 3 फीसदी से बढ़कर 18 हो गया है और उनका 16 से घटकर ज़ीरो हो गया है। राहुल गांधी ने एपस्टीन का जिक्र किया। राहुल ने कहा कि एक निश्चित बिजनेसमैन हैं, जिनका नाम एपस्टीन फाइल में है, लेकिन उनको जेल नहीं हुई। उन पर क्रिमिनल चार्जेज हैं। राहुल के इस बयान पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने उन्हें टोका और कहा कि राहुल गांधी बिना आधार के आरोप लगा रहे हैं। राहुल ने संसद में मार्शल आर्ट का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि शुरुआत ग्रिप से होती है और इसके बाद चोक में जाते हैं। चोक का फोकस गला होता है। जब आदमी के हाथ में ग्रिप आ जाता है, उसकी आंख में दिख जाता है। उन्होंने कहा कि पीएम कहते हैं कि यह युद्ध का दौर नहीं है, लेकिन हम युद्ध के दौर में प्रवेश कर चुके हैं। गाजा और इजराइल में इसकी झलक दिखी। दुनिया में पुराने सिस्टम को चैलेंज किया जा रहा है और हालात बदल रहे हैं। आज डेटा सबसे बड़ा वेल्थ है और यह एआई के लिए पेट्रोल है।

पीस ऑफ बोर्ड की बैठक में शामिल नहीं होगा भारत! ट्रंप को लगेगा झटका

भारत सबसे पहले बैठक में पहुंचने वाले देशों में शुमार नहीं होना चाहता

नई दिल्ली ● एजेंसी

अमेरिका के साथ भारत ने ट्रेड डील की है। इसके साथ ही अब तक 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ कम होकर 18 फीसदी पर आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद इसका ऐलान किया था। इसके बाद से माना जा रहा है कि भारत और अमेरिका के संबंध सुधर गए हैं, लेकिन भारत ने ट्रंप को गाजा पीस प्लान पर करारा झटका देने की तैयारी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक भारत ने 19 फरवरी को होने वाली इस बैठक से दूर रहने का फैसला लिया है। गाजा पीस बोर्ड की पहली बैठक 19 फरवरी को होना है। ट्रंप की ओर से शुरू किए गए बोर्ड ऑफ पीस का यह पहला जुटान है, जिसमें कई देशों के पहुंचने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिली जानकारी के मुताबिक अब भी भारत सरकार की ओर से ट्रंप के प्रस्ताव का अध्ययन किया जा रहा है। इस मामले में भारत सबसे पहले बैठक में पहुंचने वाले देशों में शुमार नहीं होना चाहता। भारत की कोशिश है कि पहले कुछ बड़े देश इसका हिस्सा बन जाएं, उसके बाद ही इस कोई फैसला लिया जाएगा। हाल ही में अरब लीग के देशों के विदेश मंत्रियों के साथ भारत की बैठक हुई थी। इसमें भी ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीस को लेकर बात हुई थी। इस बोर्ड में कई अरब देश शामिल हैं, लेकिन उन्होंने अब तक इस बैठक में शामिल होने को लेकर फैसला नहीं लिया है। इस दौरान भारत ने अरब लीग के देशों से उनके विचार जाने। इन देशों का कहना था कि वे भले ही बोर्ड के सदस्य बन गए हैं, लेकिन भविष्य की रणनीति के बारे में अभी विचार करना है। इस महीने के आखिर तक पीएम मोदी खुद इजरायल जाने वाले हैं। ऐसे में यह मसला वहां भी एजेंडा बन सकता है। बता दें इजराइल और फिलिस्तीन के बीच चल रहे विवाद को लेकर भारत की राय टू-नेशन सॉलूशन वाली रही है। दरअसल भारत की ओर से इस बोर्ड में शामिल होने के पीछे एक हिचक भी है। अमेरिका के इस बोर्ड में पाकिस्तान और तुर्की पहले ही शामिल हो चुके हैं।

कांग्रेस से गठबंधन रहेगा, सत्ता-साझाकरण व्यवस्था तमिलनाडु के लिए उपयुक्त नहीं : स्टालिन

नई दिल्ली ● एजेंसी

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने बुधवार को कांग्रेस और अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, क्योंकि राज्य में इस साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं। स्टालिन ने कांग्रेस जैसे डीएमके के सहयोगियों के साथ किसी भी प्रकार के साझा शासन को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। हाल ही में कांग्रेस के अंदर कुछ नेताओं ने डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री पद की मांग उठाई थी। स्टालिन ने कहा कि सत्ता-साझाकरण व्यवस्था तमिलनाडु के लिए उपयुक्त नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्टालिन ने कहा कि शासन में हिस्सेदारी की मांग तमिलनाडु पर लागू नहीं होती। वे इसे हमसे बेहतर जानते हैं। यह नारा उन लोगों की सोची-समझी साजिश है जो हमें एकजुट नहीं देख सकते। तमिलनाडु के सीएम ने संकेत दिया कि राज्य में चुनाव होने पर कांग्रेस सहयोगी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि हमारा गठबंधन सौहार्दपूर्ण है। मीडिया जानबूझकर कुछ अनावश्यक धारणाएं बना रहा है। सीएम स्टालिन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ अपने संबंधों को दोनों पार्टियों के बीच निरंतर गठबंधन का एक अहम तत्व बताया। राहुल गांधी ने डीएमके नेता कनिमोझी से बातचीत करके गठबंधन में तनाव कम करने में अग्रणी भूमिका निभाई है ताकि कांग्रेस डीएमके के साथ बनी रहे। स्टालिन ने कहा कि राहुल गांधी मेरे भाई जैसे हैं, वे मेरे परिवार के सदस्य हैं। उन्होंने खुद भी कई बार कहा है कि हमारा रिश्ता राजनीति से परे है। इससे पहले, तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सेल्वा पेरुंथगई ने भी संकेत दिया था कि डीएमके-कांग्रेस गठबंधन अंतिम रूप से तय है और औपचारिक सीट बंटवारे की बातचीत 22 फरवरी से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन बेहद मजबूत गठबंधन है। जनता पहले ही यह प्रमाणित कर चुकी है कि यह सरकार बनी रहेगी। हमें लगातार जीत हासिल करने में कोई संदेह नहीं है। सब कुछ अच्छा ही हो रहा है। 22 तारीख को होने वाली गठबंधन बातचीत सफलतापूर्वक संपन्न होगी।

उप्र बजट 2026 : योगी सरकार ने पेश किया 9.12 लाख करोड़ का बजट, 10 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य

लखनऊ ● एजेंसी

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बुधवार को अपने दूसरे कार्यकाल का अंतिम और कुल मिलाकर 10वां बजट विधानसभा में पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सुबह 11 बजे विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 9 लाख, 12 हजार, 696 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया। यह बजट पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 12.9 प्रतिशत अधिक है। बजट पेश करने से पहले वित्त मंत्री ने पारंपरिक रूप से टैबलेट के साथ पूजा-अर्चना की। वित्त मंत्री खन्ना ने अपने बजट भाषण में प्रदेश की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय में निरंतर वृद्धि हुई है। औद्योगिक विकास का उल्लेख करते हुए सुरेश खन्ना ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माण केंद्र बन चुका है और देश के कुल मोबाइल फोन उत्पादन का 65 प्रतिशत उत्पादन प्रदेश में हो रहा है। इसे राज्य की औद्योगिक नीतियों की सफलता बताया गया। कृषि क्षेत्र में उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए वित्त मंत्री खन्ना ने कहा कि कृषि उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश में नंबर-1 है। गन्ना किसानों के हित में सरकार द्वारा अब तक 3,04,321 करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान किया गया है, जो पूर्व के 22 वर्षों के संयुक्त भुगतान से 90,802 करोड़ रुपये अधिक है। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति कुंतल की वृद्धि की गई है, जिससे किसानों को लगभग 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। रोजगार के मोर्चे पर सरकार ने 10 लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। मिशन रोजगार के तहत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में 1,939 प्रवक्ता, 6,808 सहायक अध्यापक और 219 प्रधानाचार्यों सहित कुल 8,966 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। वर्ष 2017 से अब तक सहायता प्राप्त अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में 34,074 शिक्षकों का चयन किया गया है। बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा, कि वर्ष 2024-25 के लिए राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 30.25 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.4 प्रतिशत अधिक है।

बॉटम

पहली बार फिलीपींस और यूएई के वॉरशिप इस आईएफआर में कर रहे डेब्यू

15 से 25 फरवरी तक वॉरशिप का मेला, ईरान-रूस के वॉरशिप एक ही कतार में

विशाखापत्तनम ● एजेंसी

विशाखापत्तनम में 15 से 25 फरवरी तक वॉरशिप का मेला लगने वाला है। सुप्रीम कमांडर द्रौपदी मुर्मु का प्रेसिडेंशियल यॉट जब फ्लीट रिव्यू के लिए निकलेगा, तो दुनिया भर के वॉरशिप और नेवल पर्सनल सेल्यूट करते नजर आएंगे। रूस और अमेरिका के बीच चाहे कितनी भी खींचतान हो, लेकिन भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में दोनों ही देश अपने वॉरशिप के साथ मौजूद रहेंगे। नौसेना के मुताबिक रूस की ओर से फ्रिगेट आरएऽफएस मार्शल शापोशनिकोव और अमेरिका की ओर से गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर पिंकनी हिस्सा ले रहे हैं। रूस और अमेरिका के वॉरशिप के साथ उसी कतार में ईरान का फ्रिगेट भी खड़ा दिखाई देगा। इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में ईरानी नौसेना अपना फ्रिगेट डेना शामिल कर रही है। साल 2026 के आईएफआर में दुनिया के कुल 137 देशों को न्योता दिया है। 70 से ज्यादा देशों ने अपनी हिस्सेदारी की सहमति दी है। इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में भारत के तकरीबन 70 से ज्यादा वॉरशिप और सबमरीन शामिल होंगे, वहीं 20 से ज़्यादा विदेशी जंगी जहाज भी आ रहे हैं। पहली बार फिलीपींस और यूएई के वॉरशिप इस आईएफआर में हिस्सा ले रहे हैं। साथ ही पहली बार जर्मनी के मेरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट पी-8 भी फ्लीट रिव्यू का हिस्सा बनेंगे। फिलीपींस का गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट मिगेल मालवार और यूएई नेवी का वॉरशिप अल अमारात फ्लीट रिव्यू में शामिल होंगे। फ्लाई-पास्ट में जर्मनी का लॉन्ग रेंज मेरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट पी-8 भी उड़ान भरेगा। समय के साथ मित्र देशों की नौसेनाओं के साथ भारतीय नौसेना की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है। बता दें 17 फरवरी 2001 को राष्ट्रपति के आर नारायणन ने आईएनएस सुकन्या से फ्लीट का निरीक्षण किया था। पहले आईएफआर में 20 देशों के 97 वॉरशिप शामिल हुए थे, जिनमें 73 भारतीय और 24 विदेशी वॉरशिप थे। आईएफआर का दूसरा संस्करण विशाखापत्तनम में साल 2016 में आयोजित किया गया था। बंगाल की खाड़ी में आयोजित इस आईएफआर में पहले से ज्यादा देशों की नौसेनाओं ने हिस्सा लिया। कुल 50 देशों के तकरीबन 100 वॉरशिप पहुंचे थे। भारतीय समुद्री क्षेत्र में यह अब तक का सबसे बड़ा वॉरशिप जमावड़ा था।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एड पेकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नबंर - एमपीएचआईएन/20ए3002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)